दृष्टि The Vision

Prelims Practice Series

प्रिलिम्स प्रैक्टिस सीरीज़

(6 पुस्तकों की शृंखला की दूसरी कड़ी)

भारतीय इतिहास एवं कला-संस्कृति

विभिन्न परीक्षाओं जैसे IAS, PCS, CDS, NDA, CAPF, UGC-NTA NET में अभी तक पूछे गए या पूछे जा सकने वाले 2300+ प्रश्नों व उनकी व्याख्याओं का संकलन

2300+ अभ्यास प्रश्न (व्याख्या सहित)

दृष्टि The Vision | drishti

Think IAS Think Drishti

अब घर बैठे कीजिये आई.ए.एस. की तैयारी क्योंकि हम आ रहे हैं आपके घर

आई.ए.एस. प्रिलिम्स ऑनलाइन कोर्स
(IAS Prelims Online Course)

प्रिय विद्यार्थियो,

संसाधन की कमी अक्सर हमारी उड़ान को सीमित कर देती है। हममें आगे बढ़ने की तड़प तो खूब होती है किंतु उसे साकार करने वाले साधनों का अभाव हमें मायूस कर देता है। पिछले कुछ समय से देश के विभिन्न हिस्सों से आप जैसे हज़ारों विद्यार्थियों ने हमें इस आशय के संदेश भेजे कि वो सिविल सेवा में जाने की इच्छा तो रखते हैं किंतु इसकी तैयारी के लिये दिल्ली में रहने का भारी-भरकम खर्च उठा पाना उनके लिये संभव नहीं है। साथ ही आपने हमसे यह अपेक्षा भी व्यक्त की कि हम ऐसी कोई व्यवस्था करें जिसमें आप घर-बैठे दृष्टि की कक्षा कार्यक्रम जैसी गुणवत्तापरक क्लास कर पाएँ। आपके इन्हीं निवेदनों को ध्यान में रखते हुए हम अपना पहला 'पेन ड्राइव कोर्स' जारी कर रहे हैं जो आई.ए.एस. प्रिलिम्स के पाठ्यक्रम पर केंद्रित है। इसमें आप सामान्य अध्ययन तथा सीसैट के कोर्स ले सकते हैं। लगभग 2 वर्षों की कठोर मेहनत से तैयार हुआ यह वीडियो कोर्स गुणवत्ता में अच्छे से अच्छे क्लासरूम प्रोग्राम को टक्कर दे सकता है। हमें विश्वास है कि यह कोर्स उस अंतराल को भरने में सफल होगा जो दिल्ली में रहकर तैयारी करने वाले और दिल्ली नहीं आ पाने वाले विद्यार्थियों के बीच बना रहता है। निकट भविष्य में हम IAS मुख्य परीक्षा और विभिन्न राज्यों की PCS परीक्षाओं के लिये भी ऑनलाइन कोर्स शुरू करेंगे।

एडमिशन प्रारंभ

विद्यार्थियों की भारी माँग को देखते हुए ऑनलाइन पेनड्राइव कोर्स पर 20% की विशेष छूट अब शुरुआती 1000 विद्यार्थियों के लिये उपलब्ध

मोड : पेन ड्राइव

कक्षाओं की गुणवत्ता को परखने के लिये डेमो वीडियोज़ हमारे यूट्यूब चैनल Drishti IAS की प्लेलिस्ट Online Courses में देखें

ऑनलाइन कोर्स से जुड़ी हर जानकारी के लिये हमारी वेबसाइट www.drishtiias.com पर FAQs पेज देखें

IAS प्रिलिम्स ऑनलाइन कोर्स की विशेषताएँ

1. 500+ घंटे की सामान्य अध्ययन की कक्षाएँ।
2. 120+ घंटे की सीसैट की कक्षाएँ।
3. प्रत्येक कक्षा को 3 बार देखने की सुविधा ताकि आप रिवीज़न भी कर सकें।
4. कक्षाओं में डिजिटल बोर्ड का इस्तेमाल। इमेज, वीडियो आदि की मदद से कठिन विषय समझाने की शैली।
5. हर क्लास के अंत में उस टॉपिक से IAS में पूछे गए और अन्य संभावित प्रश्नों का अभ्यास।
6. स्टेट-ऑफ-द-आर्ट कैमरा और साउंड क्वालिटी जो क्लास के अनुभव को एकदम वास्तविक जैसा बनाती है।
7. प्रिलिम्स के ठीक पहले करेंट अफेयर्स की 30 ऑनलाइन कक्षाएँ (निशुल्क)।
8. ऑनलाइन प्रिलिम्स टेस्ट सीरीज़ (25+5 टेस्ट) की निशुल्क सुविधा।
9. क्विक बुक सीरीज़ की 8 पुस्तकें निशुल्क, जिनके अलावा कोई और स्टडी मैटीरियल पढ़ने की ज़रूरत नहीं।
10. इस कोर्स को करने के बाद अगर आप दृष्टि की किसी भी शाखा में सामान्य अध्ययन (फाउंडेशन कोर्स) करते हैं तो आपकी ऑनलाइन कोर्स की फीस की 50% राशि की छूट दी जाएगी।

जानकारी के लिये कॉल करें- 9319290700, 9319290701, 9319290702 या सिर्फ मिस्ड कॉल करें- 8010600300

दिल्ली शाखा का पता : 641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-09

प्रयागराज शाखा का पता : ताशकंद मार्ग, निकट पत्रिका चौराहा, सिविल लाइंस, प्रयागराज

Ph.: 8448485517, 8448485519, 87501 87501, 011-47532596

दृष्टि
The Vision

प्रिलिम्स प्रैक्टिस सीरीज़

भारतीय इतिहास एवं कला-संस्कृति

विभिन्न परीक्षाओं जैसे IAS, PCS, CDS, NDA, CAPF, UGC-NTA NET में अभी तक पूछे गए या पूछे जा सकने वाले 2300+ प्रश्नों व उनकी व्याख्याओं का संकलन

Drishti Publications
dp

दृष्टि पब्लिकेशन्स

641, प्रथम तल, डॉ. मुखर्जी नगर, दिल्ली-110009
दूरभाष: 011-47532596, 87501 87501

Website: www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail : booksteam@groupdrishti.com

प्रथम संस्करण- मार्च 2020

मूल्य : ₹ 320

प्रकाशक

दृष्टि पब्लिकेशन्स,
641, प्रथम तल,
डॉ. मुखर्जी नगर,
दिल्ली-110009

विधिक घोषणाएँ

- इस पुस्तक में प्रकाशित सूचनाएँ, समाचार, ज्ञान एवं तथ्य पूरी तरह से सत्यापित किये गए हैं। फिर भी, यदि कोई जानकारी या तथ्य गलत प्रकाशित हो गया हो तो प्रकाशक, संपादक या मुद्रक उससे किसी व्यक्ति-विशेष या संस्था को पहुँची क्षति के लिये ज़िम्मेदार नहीं है।
- हम विश्वास करते हैं कि इस पुस्तक में छपी सामग्री लेखकों द्वारा मौलिक रूप से लिखी गई है। अगर कॉपीराइट उल्लंघन का कोई मामला सामने आता है तो प्रकाशक को ज़िम्मेदार नहीं ठहराया जाएगा।
- सभी विवादों का निपटारा दिल्ली न्यायिक क्षेत्र में होगा।
- **© कॉपीराइट:** दृष्टि पब्लिकेशंस, सर्वाधिकार सुरक्षित। इस प्रकाशन के किसी भी अंश का प्रकाशन अथवा उपयोग, प्रतिलिपीकरण, ऐसे यंत्र में भंडारण जिससे इसे पुनः प्राप्त किया जा सकता हो या स्थानान्तरण, किसी भी रूप में या किसी भी विधि से (इलेक्ट्रॉनिक, यांत्रिक, फोटो-प्रतिलिपि, रिकॉर्डिंग या किसी अन्य प्रकार से) प्रकाशक की पूर्वानुमति के बिना नहीं किया जा सकता।
- एम.पी. प्रिंटर्स, बी-220, फेज़-2, नोएडा (उत्तर प्रदेश) से मुद्रित।

दो शब्द

प्रिय पाठको,

इतिहास न तो अतीत की सभी घटनाओं का संकलन होता है और न ही यह केवल चुनिंदा घटनाओं का विवरण मात्र ही होता है। पहले बिंदु के उदाहरण को देखें तो रूबीकान नदी को हज़ारों लोगों ने पार किया लेकिन उन हज़ारों में जिस एक को इतिहास में दर्ज किया गया वह है- **जूलियस सीज़र।** सीज़र का रूबीकान नदी पार करना एक 'ऐतिहासिक तथ्य' बन गया क्योंकि इस घटना ने समय की चाल इतनी तेज़ कर दी कि क्षणभर में ही परिदृश्य का दीर्घकालिक बदलाव निश्चित हो गया। सीज़र के पहले और फिर उसके बाद भी यह घटना कई बार घटी लेकिन इसमें इतनी ताकत नहीं थी कि अपने समय की परिधि का अतिक्रमण कर सके। इसलिये ये घटनाएँ ऐतिहासिक नहीं बन पाईं। दूसरे बिंदु का आशय यह है कि इतिहासकार अपने पाले में आए तथ्यों को रोज़नामचा की तरह प्रस्तुत करके निवृत्त नहीं हो जाता बल्कि वर्तमान और अतीत के संवाद के रूप में उसकी व्याख्या करता है। इस प्रकार इतिहासकार अनिवार्य रूप से अतीत के प्रति कोई निष्कर्ष न देते हुए एक ऐसी दृष्टि पर ज़ोर देता है जो समय में आए परिवर्तनों व इसे संभव बनाने वाले कारकों को समझने में सहायक हो सके। इस प्रस्तावना का सार यह है कि जब आप भी इतिहास की किसी पुस्तक को पढ़ें या प्रश्न को हल करें, तो समय के परिवर्तन को ध्यान में रखें। अधिकांश धारणागत प्रश्न इसी दृष्टि को आत्मसात करने से हल हो जाएंगे। परीक्षा भवन में भी इस सूत्र को ध्यान में रखना चाहिये।

सिविल सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा में अब कुछ ही समय शेष रह गया है। ज़ाहिर तौर पर आपकी तैयारी ज़ोर-शोर से चल रही होगी। आप जानते ही हैं कि आपकी तैयारी आसान करने के लिये हम 'प्रिलिम्स प्रैक्टिस सीरीज़' का प्रकाशन कर रहे हैं। 6 पुस्तकों की इस शृंखला की पहली कड़ी 'भारतीय संविधान एवं राजव्यवस्था' थी, जिसे अभी आप पढ़ रहे होंगे। इस शृंखला की दूसरी प्रस्तुति 'भारतीय इतिहास एवं कला-संस्कृति' है। अब हम आपको इस पुस्तक की रूपरेखा से परिचित कराते हैं।

लगभग 500 पृष्ठों की इस पुस्तक में **2300** + प्रश्न व उनकी व्याख्या शामिल है। यह पुस्तक कला व संस्कृति समेत इतिहास के संपूर्ण पाठ्यक्रम को कवर करती है। वस्तुत: इतिहास का पाठ्यक्रम इतना विस्तृत होता है कि उसे संपूर्णता से तैयार करना हमेशा से एक चुनौती रही है। पाठ्यपुस्तक को पढ़ते समय तो तैयारी ठीक रहती है लेकिन ज्यों-ज्यों समय बीतता जाता है, तथ्य विस्मृत होते चले जाते हैं और व्यावहारिक रूप से यह संभव भी नहीं है कि पाठ्यपुस्तक को हर बार आद्योपांत पढ़ा जाए। इसमें अधिक समय तो लगता ही है साथ ही यह थोड़ा उबाऊ भी होता है, जिससे उत्पादकता कम हो जाती है। इस चुनौती से पार पाने का सबसे अच्छा तरीका यह है कि अभ्यास प्रश्नों का सहारा लिया जाए। इससे परीक्षा के पहले प्रश्नों को हल करने का अभ्यास भी हो जाएगा तथा व्याख्या के माध्यम से पूरे इतिहास का रिवीज़न भी संभव हो सकेगा। हाँ, इतना ध्यान रखना आवश्यक है कि अभ्यास सैट प्रामाणिक व प्रश्नों की व्याख्या ईमानदार हो। प्रस्तुत पुस्तक- 'भारतीय इतिहास एवं कला-संस्कृति' ऐसी ही एक ईमानदार कोशिश है, जिससे आपकी तैयारी ऐसी हो जाएगी कि आप इतिहास के सभी प्रश्न आसानी से हल कर पाएंगे।

आप इस अभ्यास सैट को अपनी पाठ्यपुस्तक से संबद्ध करके तैयार कर सकें इसलिये हमने इतिहास की 'Quick Book' के अनुसार ही अध्यायों को समायोजित किया है। इससे आपका दोहरा रिवीज़न हो जाएगा। इसमें प्राचीन भारत, मध्यकालीन भारत, आधुनिक भारत तथा कला व संस्कृति को अलग-अलग खंडों के रूप में प्रस्तुत किया गया है ताकि आपको प्रश्न हल करने में सुविधा हो। इन खंडों का विस्तार भी इनके महत्त्व के अनुसार ही समायोजित है। उदाहरणार्थ जहाँ आधुनिक भारत से सबसे अधिक प्रश्न पूछने का चलन रहा है इसलिये इसको सर्वाधिक विस्तार के साथ प्रस्तुत किया गया है, वहीं प्राचीन व मध्यकालीन इतिहास का आकार अपेक्षाकृत छोटा है। साथ ही इन खंडों के भीतर भी यह ध्यान रखा गया है कि प्रश्नों के महत्त्व का अनुक्रम बना रहे। इससे आप कम समय में बेहतर ढंग से तैयारी कर सकेंगे।

प्रश्न निर्माण में इस बात का ख़ास ध्यान रखा गया है कि 'तथ्य-संकल्पना' का अनुपात उचित हो। अर्थात् कोई संकल्पना और उससे संबद्ध मूल तथ्य को आप प्रश्नों के माध्यम से ही जान जाएँ और व्याख्या के माध्यम से अन्य आवश्यक पहलुओं से भी परिचित हो जाएँ। व्याख्या की भाषा एकदम आसान है ताकि विषय पर भाषा न हावी हो जाए। इसके अतिरिक्त तथ्यों को लेकर भी पूरी सावधानी बरती गई है। इतिहास में तथ्यों की प्रामाणिकता सबसे बुनियादी बात है। तथ्यात्मक त्रुटियाँ न केवल पाठ की विश्वसनीयता कम करती हैं बल्कि इससे अध्ययन का सौंदर्य भी कलुषित हो जाता है। इसलिये प्रस्तुत पुस्तक के तथ्यों को विशेषज्ञों की पूरी टीम ने कई बार जाँचा है। हम आपको भरोसा दिलाते हैं कि यह पुस्तक आपकी उम्मीदों पर खरा उतर सकेगी।

आप अपनी तैयारी में इस पुस्तक को शामिल करें और इससे जुड़े अनुभव हमें बताएँ। आपकी राय हमारे लिये सर्वाधिक महत्त्वपूर्ण है। आपकी प्रशंसा हमारा उत्साह बढ़ाएगी और आलोचना हमें आत्मविश्लेषण के लिये प्रेरित करेगी। **आप अपना सुझाव बेझिझक '8130392355' नंबर पर वाट्सएप मैसेज से भेज दें।**

शुभकामनाओं सहित
प्रधान संपादक
दृष्टि पब्लिकेशन्स

अनुक्रम

1. प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत एवं प्रागैतिहासिक काल 1-14
2. सिंधु घाटी सभ्यता 15-28
3. वैदिक सभ्यता 29-38
4. छठी शताब्दी ईसा पूर्व का भारत 39-46
5. प्राचीन भारत पर विदेशी आक्रमण 47-48
6. प्राचीन भारत में धार्मिक आंदोलन 49-64
7. मौर्य साम्राज्य (322 ई.पू.–185 ई.पू.) 65-75
8. मौर्योत्तर काल 76-91
9. गुप्त साम्राज्य 92-102
10. गुप्तोत्तर काल/पूर्व मध्यकाल 103-109
11. संगम काल 110-116
12. मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत 117-122
13. तुर्कों के आक्रमण से पूर्व भारतीय राजवंश 123-128
14. तुर्कों का आक्रमण 129-131
15. दिल्ली सल्तनत (1206–1526 ई.) 132-155
16. सूफ़ी एवं भक्ति आंदोलन 156-165
17. मुगल काल 166-198
18. मराठा साम्राज्य 199-202
19. 18वीं शताब्दी में स्थापित नवीन स्वायत्त राज्य 203-205
20. भारत में यूरोपीयों का आगमन 206-214
21. अंग्रेज़ों की भारत विजय 215-223
22. भारत में ब्रिटिश शक्ति का विस्तार 224-231
23. भारत में ब्रिटिश शासकों की आर्थिक नीति एवं उसका प्रभाव 232-248
24. 1857 का विद्रोह 249-256
25. प्रमुख भारतीय विद्रोह 257-270
26. ब्रिटिश भारत में सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलन 271-291
27. भारत में राजनीतिक चेतना का विकास 292-299
28. कांग्रेस की स्थापना से पूर्व राजनीतिक संस्थाएँ 300-303
29. राष्ट्रीय आंदोलन (1885–1947 ई.) 304-403
30. भारत के गवर्नर जनरल तथा वायसराय 404-411
31. भारत में संवैधानिक विकास 412-423
32. कला एवं संस्कृति 424-492

1 प्राचीन भारतीय इतिहास के स्रोत एवं प्रागैतिहासिक काल
(The Sources of Ancient Indian History and Prehistoric Period)

1. प्राचीन भारत में, मेहरगढ़ क्या था?
   (a) बोलन घाटी में एक नवपाषाण स्थल
   (b) दिल्ली के सुल्तानों का कब्रिस्तान
   (c) दक्कन क्षेत्र में एक राज्य
   (d) राजस्थान में एक किला

उत्तर: (a)

व्याख्या: भारतीय उपमहाद्वीप में प्राचीनतम नवपाषाणिक बस्ती मेहरगढ़ (पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में बोलन नदी के किनारे स्थित) है; जिसकी तिथि 7000 ई.पू. मानी जाती है। अत: विकल्प (a) सही है।

- नवपाषाणिक संस्कृति अपनी पूर्वगामी संस्कृतियों की अपेक्षा अधिक विकसित थी। इस काल का मानव न केवल खाद्य पदार्थों का उपभोक्ता था, वरन् उत्पादक भी था। वह कृषि कर्म और पशुपालन से पूर्णत: परिचित हो चुका था।

2. सम्राट अशोक के राजादेशों का सबसे पहले विकूटन (डिसाइफर) किसने किया था?
   (a) जॉर्ज बुह्लर
   (b) जेम्स प्रिंसेप
   (c) मैक्स मुलर
   (d) विलियम जोन्स

उत्तर: (b)

व्याख्या: जेम्स प्रिंसेप, ईस्ट इंडिया कम्पनी में एक अधिकारी के पद पर नियुक्त था। उसने 1837 ई. में ब्राह्मी लिपि को पढ़ने में सफलता प्राप्त की। ब्राह्मी और खरोष्ठी लिपियों का उपयोग सबसे आरम्भिक अभिलेखों और सिक्कों में किया गया है।

- अशोक के गिरनार वाले शिलालेख का अध्ययन करके उन्होंने कुछ यूनानी शासकों के नामों की भी खोज की। प्रिंसेप को यह जानकारी प्राप्त हुई कि अभिलेखों और सिक्कों पर 'पियदस्सी' अर्थात् सुन्दर मुखाकृति वाले राजा का नाम लिखा है। कुछ अभिलेखों पर राजा का नाम सम्राट अशोक भी लिखा था। अत: सम्राट अशोक के राजादेशों का सबसे पहले विकूटन जेम्स प्रिंसेप ने किया था।
- प्रिंसेप के बाद फर्ग्युसन, कनिंघम, एडवर्ड टॉमस, वाल्टेयर इलियट, स्टीवेन्सन, डॉ. भाऊदाजी, राजेन्द्रलाल मिश्र जैसे अनेक पुरालिपिविदों ने भारतीय लिपियों के अध्ययन व अन्वेषण को आगे बढ़ाया।

3. प्राचीन भारत की निम्नलिखित पुस्तकों में से किस एक में शुंग राजवंश के संस्थापक के पुत्र की प्रेम कहानी है?
   (a) स्वप्नवासवदत्ता (b) मालविकाग्निमित्रम्
   (c) मेघदूत (d) रत्नावली

उत्तर: (b)

व्याख्या: मालविकाग्निमित्रम् कालिदास का प्रथम नाटक है। इसमें शुंग वंश के संस्थापक पुष्यमित्र शुंग के पुत्र अग्निमित्र तथा मालविका, जो कि उनके राज्य की नर्तकी थी, की प्रणय-कथा का वर्णन किया गया है। कालिदास संस्कृत के महान कवि थे। उनकी विभिन्न रचनाएँ निम्न हैं-

- नाटक : अभिज्ञानशाकुन्तलम्, विक्रमोर्वशीयम्, मालविकाग्निमित्रम्
- महाकाव्य : रघुवंशम् और कुमार संभवम्
- खंडकाव्य : मेघदूतम् और ऋतुसंहार

4. पुरातात्त्विक अवशेषों के अध्ययन के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
   (a) 'आर्किओलॉजी' प्राचीन काल के लोगों के भौतिक जीवन के बारे में जानकारी देती है।
   (b) सिक्कों का अध्ययन मुद्रा शास्त्र कहलाता है।
   (c) प्राचीन भारत में कागज की मुद्रा का चलन था।
   (d) रेडियो कार्बन जैविक पदार्थों के काल निर्धारण की विधि है।

उत्तर: (c)

व्याख्या: सिक्कों का अध्ययन मुद्रा शास्त्र कहलाता है। प्राचीन भारत में कागज की मुद्रा का प्रचलन नहीं था, परन्तु धातु मुद्रा (धातु के सिक्कों) का चलन था। पुराने सिक्के तांबे, चांदी, सोने और सीसे के बनते थे। अत: कथन (c) असत्य है, जबकि शेष सभी कथन सत्य हैं।

- प्राचीन काल के लोगों के भौतिक जीवन के बारे में जानकारी जिस स्रोत से मिलती है उसे पुरातत्त्व/आर्किओलॉजी कहते हैं।
- रेडियो कार्बन काल निर्धारण विधि में, जब तक कोई वस्तु जीवित रहती है तो C14 के क्षय की प्रक्रिया के साथ हवा और भोजन की खुराक से उस वस्तु में C14 का समन्वय भी होता रहता है, परन्तु जब वस्तु निष्प्राण हो जाती है तब उसमें विद्यमान C14 के क्षय की प्रक्रिया समान गति से जारी रहती है लेकिन हवा और भोजन से C14 लेना बंद कर देती है। किसी प्राचीन वस्तु में विद्यमान C14 में आई कमी को माप कर उसके समय का निर्धारण किया जा जाता है।

5. अभिलेखों के प्रकार के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
   1. सम्राट अशोक के अभिलेखों में जनता और अधिकारियों के लिये राज्यादेश जारी किये जाते थे।
   2. बौद्ध, जैन और वैष्णव संप्रदायों ने आनुष्ठानिक अभिलेख बनवाए थे।
   3. प्रयाग-प्रशस्ति राजाओं की गुण और कीर्तियों की प्रशंसा के अभिलेखों का उदाहरण है।

2 सिंधु घाटी सभ्यता (Indus Valley Civilization)

1. हड़प्पा संस्कृति के ह्रास के लिये विभिन्न कारण सुझाए गए हैं। नीचे दिये गए कारणों पर विचार कीजिये और उनमें से क्षीणतम कारण को इंगित कीजिये।
   (a) लगातार प्राकृतिक रूप से बाढ़ आने की घटनाएँ होती रहीं।
   (b) मृदा में लवणता की वृद्धि से उर्वरता घटती गई।
   (c) भूकंप के कारण सिंधु के मार्ग में परिवर्तन हुआ जिससे आप्लावन हुआ।
   (d) आर्यों ने आक्रमण कर हड़प्पा संस्कृति को नष्ट कर दिया।

उत्तर: (d)

व्याख्या: हड़प्पा सभ्यता की उत्पत्ति की तरह ही इसके पतन के लिये कोई एक कारण उत्तरदायी नहीं था।

- जॉन मार्शल अर्नेस्ट मैके के अनुसार लगातार बाढ़ इसके पतन का कारण था।
- अन्य आधुनिक मत के अनुसार विवर्तनिक विक्षोभ अर्थात् भूकंप के कारण सिंधु नदी का पूर्वी बांध ध्वस्त हो गया जिससे सिंधु के बहाव में रुकावट आ गई। इस कारण लोग उस स्थान को छोड़कर चले गए।
- जलवायु परिवर्तन और जलप्लावन के कारण उर्वरता लगातार घटती चली गई। जिससे सभ्यता का क्रमिक पतन हुआ।
- कुछ विद्वानों के अनुसार सिंधु-सभ्यता का अंत आर्यों के आक्रमण के कारण हुआ। कंकालों के अन्वेषण से ज्ञात हुआ कि यहाँ व्यापक जनसंहार हुआ था। किंतु यह सिद्ध हो चुका है कि ये कंकाल किसी एक ही काल से संबंध नहीं रखते, इसलिए अधिकांश आधुनिक विद्वान सिंधु सभ्यता के पतन का कारण आर्यों के आक्रमण को नहीं मानते। अत: विकल्प (d) सबसे क्षीणतम कारण है।

2. परिपक्व हड़प्पा शिल्प की प्रमुख विशेषता के रूप में मनका बनाने के लिये निम्नलिखित में से कौन-सा एक सत्य नहीं है?
   (a) हड़प्पा के मनके सोने, तांबे, शंखों, लाजवर्दों, हाथीदांतों तथा विभिन्न प्रकार के उपरत्नों से बने थे
   (b) पुरातत्वज्ञों ने मनके बनाने वाली दुकानों को अपरिष्कृत वस्तुओं के जमाव के आधार पर पहचाना है
   (c) चन्हूदड़ो में औज़ार, भट्ठी एवं तैयारी के विभिन्न चरणों में मनके पाए गए हैं
   (d) बनावली में सरंचना में बहुत सारे मनके परिष्कृत, अर्ध-परिष्कृत एवं अपरिष्कृत दशाओं में प्राप्त हुए हैं

उत्तर: (d)

व्याख्या: हड़प्पा सभ्यता में कार्नीलियन, जैस्पर, स्फटिक, क्वार्ट्ज, सेलखड़ी जैसे पत्थर तथा तांबा, कांसा, सोने जैसी धातुएँ एवं शंख, फयॉन्स और पकी मिट्टी सभी का प्रयोग मनके बनाने के लिये होता था। अत: कथन (a) सत्य है।

- इन स्थानों की पहचान पुरातत्वज्ञों ने अपरिष्कृत वस्तुओं के जमाव के आधार पर की है। अत: कथन (b) सत्य है।
- चन्हूदड़ो के उत्खनन से यह प्रतीत होता है कि यह एक औद्योगिक केंद्र था जहाँ मणिकारी, मुहर बनाने, भार-माप के बटखरे बनाने का काम होता था। अर्नेस्ट मैके ने यहाँ से मनका बनाने का कारखाना तथा भट्टी की खोज की है। अत: कथन (c) सत्य है।
- मनके का संबंध हड़प्पा, चन्हूदड़ो, कालीबंगा, लोथल आदि स्थलों से है। बनावली में हल की आकृति वाले मिट्टी के खिलौने, जौ, तांबे के बाणाग्र आदि अवशेष प्राप्त हुए हैं। अत: कथन (d) असत्य है।

3. हड़प्पा स्थल कोटदीजी, उस सभ्यता के निम्नलिखित में से किस प्रमुख स्थल के समीप है?
   (a) हड़प्पा (b) मोहनजोदड़ो
   (c) लोथल (d) कालीबंगा

उत्तर: (b)

व्याख्या: हड़प्पा स्थल कोटदीजी पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित है जो सिंधु नदी के किनारे स्थित है। इसके उत्खननकर्ता फजल अहमद खाँ है। दिये गए विकल्पों में यह पाकिस्तान के सिंध प्रांत में स्थित मोहनजोदड़ो के समीप स्थित है। अत: विकल्प (b) सही है।

- हड़प्पा, रावी नदी के किनारे पाकिस्तान के मोंटगोमरी ज़िले में स्थित है।
- लोथल, गुजरात के अहमदाबाद ज़िले के सरगवाला ग्राम के समीप दक्षिण में भोगवा नदी के तट पर स्थित है।
- कालीबंगा, घग्घर नदी के किनारे राजस्थान के हनुमानगढ़ ज़िले में स्थित है।

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (हड़प्पा स्थल)	**सूची-II (आधुनिक नाम)**
A. धौलावीरा	1. सौराष्ट्र
B. राखीगढ़ी	2. हिसार
C. भिरड़ाना	3. कादिर टापू (द्वीप)
D. भोगावो	4. हरियाणा

3 वैदिक सभ्यता (Vedic Civilization)

1. भारतीय उप-महाद्वीप में लौह का सर्वप्रथम साहित्यिक संदर्भ किसमें मिलता है?
   (a) ऋग्वेद (b) सामवेद
   (c) यजुर्वेद (d) विनयपिटक

उत्तर: (c)
व्याख्या: लोहे का साहित्यिक संदर्भ यजुर्वेद में मिलता है। यजुर्वेद में लोहे के लिये 'श्याम अयस' एवं 'कृष्ण अयस' शब्द का प्रयोग हुआ है। अत: विकल्प (c) सही है।

2. ऋग्वेद के 10वें मंडल में, निम्नलिखित में से कौन-सा स्रोत विवाह-समारोहों पर प्रकाश डालता है?
   (a) सूर्य सूक्त (b) पुरुष सूक्त
   (c) दान स्तुति (d) उर्ण सूत्र

उत्तर: (a)
व्याख्या: ऋग्वेद के 10वें मंडल में सूर्य सूक्त में विवाह-समारोहों का वर्णन हैं अत: विकल्प (a) सही है।
- पुरुष सूक्त को प्रथम स्रोत माना जाता है, जिसमें चारों वर्णों का एक-साथ उल्लेख मिलता है।
- दान स्तुति में संरक्षक द्वारा उपहार देने का उल्लेख है।
- उर्ण सूत्र में आर्यन द्वारा प्रयोग में लाये जाने वाले ऊनी वस्त्रों का उल्लेख है।

3. निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं, कथन I और कथन II। इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिये और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-

कथन:

I. आरंभिक आर्य, जो अनिवार्यत: पशुचारी थे, ने ऐसी कोई राजनीतिक संरचना विकसित नहीं की थी जिसे प्राचीन अथवा आधुनिक अर्थ में राज्य के रूप में मापा जा सके।

II. राजतंत्र वैसा ही था जैसा कि जनजाति मुखियातंत्र; जनजाति मुखिया के लिये 'राजन' शब्द का प्रयोग होता था, जो मुख्यत: एक सेनापति था और जो अपने लोगों पर शासन करता था, किसी विशेष क्षेत्र पर नहीं।

कूट:

(a) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।
(b) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं किंतु कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
(c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II असत्य है।
(d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सत्य है।

उत्तर: (a)
व्याख्या: आरंभिक आर्यों का मुख्य व्यवसाय पशुचारण था, कृषि का स्थान गौण था। ऋग्वेद में जन शब्द का उल्लेख 275 बार हुआ है, पर जनपद अर्थात् राज्यक्षेत्र शब्द का प्रयोग एक बार भी नहीं हुआ है। आरंभिक आर्य कबीले के अंग थे, क्योंकि उन दिनों राज्यक्षेत्र या राज्य स्थापित नहीं हो पाया था। अत: कथन (I) सत्य है।
- ऋग्वैदिक काल में आर्यों का प्रशासन कबीले के प्रधान द्वारा चलता था, वही युद्ध का सफल नेतृत्व करता था। वह राजन अथवा राजा कहलाता था। ऋग्वैदिक काल में राजा का पद आनुवांशिक हो चुका था। राजा एक प्रकार का सरदार होता था जिसके पास असीमित अधिकार नहीं होते थे। उसे कबायली संघटनों से सलाह लेनी होती थी। अत: कथन (II) सत्य है और कथन (I) का सही स्पष्टीकरण है।

4. आर्यों के सांस्कृतिक उपादान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. आर्य सांस्कृतिक उपादान द्रविड़ और तमिल संस्कृति से आए हैं।
   2. प्राक् आर्य जातीय उपादान वैदिक और संस्कृतमूलक संस्कृति के अंग हैं।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सही नहीं हैं।
- आर्य सांस्कृतिक उपादान उत्तर के वैदिक और संस्कृतमूलक संस्कृति से आए हैं।
- प्राक् आर्य जातीय उपादान दक्षिण की द्रविड़ और तमिल संस्कृति के अंग हैं।

5. प्राचीन भारत में विभिन्न संस्कृतियों के उद्भव के स्थान के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. हड़प्पा संस्कृति का उद्भव सिंधु नदी की घाटी में हुआ था।
   2. वैदिक संस्कृति का विकास मध्य गंगा नदी घाटी में हुआ था।
   3. वैदिकोत्तर संस्कृति का उद्भव पश्चिमोत्तर प्रदेश और पंजाब में हुआ था।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 2
   (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

4 छठी शताब्दी ईसा पूर्व का भारत
(India in the 6th Century BC)

1. प्राचीन भारतीय 'महाजनपदों' के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?
   (a) सभी महाजनपद अल्पतंत्रीय थे, जहाँ शक्ति का प्रयोग लोगों के एक समूह द्वारा किया जाता था।
   (b) सभी महाजनपद पूर्वी भारत में अवस्थित थे।
   (c) महाजनपद कोई सेना नहीं रखते थे।
   (d) बौद्ध एवं जैन ग्रंथों में सोलह महाजनपदों को सूचीबद्ध किया गया है।

उत्तर: (d)
व्याख्या: महाजनपदों की कुल संख्या 16 थी, जिसका उल्लेख बौद्ध ग्रंथ 'अंगुत्तर निकाय', 'महावस्तु' एवं जैन ग्रंथ 'भगवती सूत्र' में मिलता है। अत: कथन (d) सही है।
- इन 16 महाजनपदों में वज्जि एवं मल्ल में गणतंत्रात्मक व्यवस्था थी, जबकि शेष में राजतंत्रात्मक व्यवस्था थी। अत: कथन (a) सही नहीं है।
- महाजनपदों की अपनी सेना होती थी। अत: कथन (c) सही नहीं है।
- अश्मक महाजनपद दक्षिणी भारत में स्थित था, मत्स्य महाजनपद पश्चिमी भारत (राजस्थान) में स्थित था। अत: कथन (b) सही नहीं है।

2. ईसा-पूर्व छठी सदी में जनपद (बड़े राज्य) निर्माण के सहायक कारकों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. लोहे का व्यापक प्रयोग होने से जनपदों के निर्माण के लिये उपयुक्त परिस्थितियाँ बनीं।
   2. नए कृषि उपकरणों की सहायता से अधिक अनाज उत्पन्न होने लगा था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: ईसा-पूर्व छठी सदी से पूर्वी उत्तर प्रदेश और पश्चिमी बिहार में लोहे का व्यापक प्रयोग होने से बड़े-बड़े प्रादेशिक या जनपद राज्यों के निर्माण के लिये उपयुक्त परिस्थितियाँ बनीं। अत: कथन (1) सही है।
- खेती के नए औजारों और उपकरणों की मदद से किसान आवश्यकता से अधिक अनाज पैदा करने लगे, इसलिये राजा अपने सैनिकों के लिये और प्रशासनिक प्रयोजनों के लिये इस अनाज को जमा कर सकता था। इन भौतिक लाभों के कारण किसानों को अपनी जमीन से लगाव होना स्वाभाविक था, साथ ही वे अपने पड़ोस के क्षेत्रों में भी जमीन हड़प कर फैलने लगे। लोगों की जो प्रबल निष्ठा अपने जन या कबीले के प्रति थी, वह अब अपने जनपद या स्वसंबद्ध भूभाग के प्रति हो गई। अत: कथन (2) सही है।

3. ईसा-पूर्व छठी सदी के निम्नलिखित महाजनपदों को पूर्व से पश्चिम की ओर क्रम में व्यवस्थित कीजिये-
   (a) अंग → मगध → काशी → कोसल → मत्स्य
   (b) अंग → मगध → कोसल → काशी → मत्स्य
   (c) मगध → अंग → काशी → कोसल → मत्स्य
   (d) मगध → काशी → अंग → मत्स्य → कोसल

उत्तर: (a)
व्याख्या: पूर्व से शुरू करने पर सबसे पहले अंग जनपद था जिसमें आधुनिक मुंगेर और भागलपुर जिले पड़ते हैं। उसके बाद मगध जनपद जो आधुनिक पटना और गया जिले में तथा शाहाबाद का कुछ हिस्सा पड़ता था। उसके बाद काशी जनपद उसके पश्चिम में कोसल जनपद जो पूर्वी उत्तर प्रदेश में पड़ता था तथा सबसे पश्चिम में मत्स्य जनपद पड़ता था।

4. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा नीचे दिये गए कूट से सही उत्तर चुनिये-

सूची-I (महाजनपद)	**सूची-II (राजधानी)**
A. अंग	1. वाराणसी
B. मगध	2. चंपा
C. काशी	3. राजगीर
D. कोसल	4. श्रावस्ती

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	3	4	1	2
(c)	2	3	1	4
(d)	3	2	1	4

उत्तर: (c)
व्याख्या: विकल्प में दिये गए महाजनपद एवं उनकी राजधानी का सुमेलन निम्नानुसार है-

(महाजनपद)	**(राजधानी)**
अंग	चंपा
मगध	राजगीर
काशी	वाराणसी
कोसल	श्रावस्ती

5. बिम्बिसार के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन असत्य है?
   (a) वह मगध का वास्तविक संस्थापक था।
   (b) उसने अंग देश पर अधिकार कर लिया था।
   (c) उसकी पहली पत्नी प्रसेनजित की पुत्री थी।

5 प्राचीन भारत पर विदेशी आक्रमण (Foreign Invasions on Ancient India)

1. 516 ई.पू. में पश्चिमोत्तर भारत में ईरानी आक्रमण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. सर्वप्रथम दारयवहु (देरियस) ने पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था।
   2. यह साम्राज्य का सबसे अधिक उपजाऊ क्षेत्र था।
   3. इस क्षेत्र में सुगठित शक्तिशाली राज्य का अभाव था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 1
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: सर्वप्रथम ईरानी शासक दारयवहु (देरियस) ने 516 ई.पू. में पश्चिमोत्तर भारत पर आक्रमण किया था। उसने पंजाब तथा सिंधु नदी के पश्चिम के इलाके और सिंध को जीतकर अपने साम्राज्य में मिला लिया। उल्लेखनीय है कि, ईरानी साम्राज्य में कुल मिलाकर अट्ठाइस क्षत्रपियाँ थीं। पंजाब व सिंध प्रदेश इसके बीसवाँ प्रांत या क्षत्रपी बना था। अत: कथन (1) सही है।

- पंजाब का सिंधु नदी के पश्चिम वाला हिस्सा साम्राज्य का सबसे अधिक आबाद और उपजाऊ क्षेत्र था। अत: कथन (2) सही है।
- पश्चिमोत्तर भारत में मगध की तरह कोई शक्तिशाली साम्राज्य नहीं था। छोटे-छोटे राज्य आपस में लड़ते रहते थे, और यह क्षेत्र समृद्ध भी था। अत: कथन (3) सही है।

2. भारत और ईरान के मध्य संपर्क के परिणामों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. खरोष्ठी लिपि का आगमन हुआ
   2. स्थापत्य कला पर ईरानी प्रभाव पड़ा।
   3. व्यापार संबंधों की स्थापना हुयी ।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: ईरानी लिपिकार भारत में लेखन का एक खास रूप लेकर आए जो खरोष्ठी के नाम से प्रसिद्ध हुआ। यह लिपि अरबी की तरह दायीं से बायीं ओर लिखी जाती थी। अत: कथन (1) सही है।

- मौर्य वास्तु कला पर ईरानी प्रभाव स्पष्ट रूप से देखा जा सकता है। अशोककालीन स्मारक, विशेष कर घंटा के आकार के गुंबज कुछ हद तक ईरानी प्रतिरूपों पर आधारित थे। अत: कथन (2) सही है।
- पश्चिमोत्तर सीमा प्रांत में ईरानी सिक्के भी मिलते हैं, जिनसे ईरान के साथ व्यापार होने के संकेत मिलते हैं। अत: कथन (3) सही है।

3. भारत में सिकंदर की सफलता के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. उस समय भारत में कोई केंद्रीय सत्ता नहीं थी।
   2. उसके पास प्रशिक्षित सैन्य बल था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: सिकंदर के समय भारत में कोई केंद्रीय सत्ता नहीं थी। पश्चिमोत्तर भारत में छोटे-छोटे राज्य थे जो आपस में लड़ते रहते थे। सिंकदर के पास श्रेष्ठ सेना थी, इसलिये वह हर युद्ध में विजय प्राप्त करता गया। अत: दोनों कथन सही हैं।

4. सिकंदर के भारत पर आक्रमण के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. भारत में उसका सामना सबसे पहले तक्षशिला के शासक आंभी से हुआ था।
   2. उसका भारत में पहला सबसे शक्तिशाली प्रतिरोध पोरस ने किया था।
   3. उसके द्वारा भारत पर आक्रमण के समय मगध पर मौर्य वंश का शासन था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 2 और 3 (d) केवल 1 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: 326 ई.पूर्व में सिकंदर के भारत पर आक्रमण के क्रम में उसका पहला सामना तक्षशिला के शासक आंभी से हुआ था, परंतु झेलम नदी के किनारे पहुँचने पर सिकंदर का पहला और सबसे शक्तिशाली प्रतिरोध पोरस ने किया था। वह पोरस की बहादुरी और साहस से बड़ा प्रभावित हुआ। इसलिये उसने उसका राज्य वापस कर दिया और उसे अपना सहयोगी बना लिया। पोरस का राज्य झेलम और चेनाब नदियों के मध्य था। सिकंदर का भारत अभियान 19 महीने का रहा था। अत: कथन (1) और (2) सही हैं।

- उसके आक्रमण के समय मगध पर नंद वंश का शासन था। उल्लेखनीय है कि, उस समय नंद वंश का राजा घनानंद का शासन था। यूनानी इतिहासकारों के अनुसार चंद्रगुप्त मौर्य नंद वंश की सत्ता को उखाड़ फेंकने के लिये सिकंदर से जाकर मिला था। अत: कथन (3) सही नहीं है।

6 प्राचीन भारत में धार्मिक आंदोलन (Religious Movement in Ancient India)

1. बौद्धमत के महायान और हीनयान प्रकारों के बीच महत्त्वपूर्ण अंतर निम्नलिखित में से किसमें स्थित है?
   (a) महायान में पुण्य का अन्यारोपण हो सकता था जबकि हीनयान में कोई व्यक्ति दूसरे व्यक्ति को मात्र उदाहरण और सलाह से ही मदद करता।
   (b) महायान बोधिसत्त्वों में विश्वास करता था जबकि हीनयान नहीं करता था।
   (c) हीनयान ने वेदना परित्राता के प्रत्यय को संवर्द्धित किया।
   (d) महायान ने 'अर्हंत', 'पूज्य', के प्रत्यय को प्रतिपादित किया।

उत्तर: (b)
व्याख्या: बौद्धमत के हीनयान एवं महायान प्रकारों के बीच महत्त्वपूर्ण अंतर निम्न हैं-
- हीनयान में बुद्ध महापुरुष के रूप में हैं, जबकि महायान में देवता के रूप में स्थापित हो गए।
- हीनयान में बुद्ध को प्रतीकों के रूप में दर्शाया गया है, जबकि महायान में मूर्तिपूजा शुरू हो गई।
- हीनयान स्वयं के प्रयत्नों पर बल देता है, जबकि महायान गुणों के स्थानांतरण पर बल देता है।
- हीनयान का आदर्श है-'अर्हत पद की प्राप्ति' जबकि महायान में 'बोधिसत्व' की परिकल्पना मौजूद है।

अत: विकल्प (b) सही है।

2. बौद्ध संघ मठवासियों का एक संगठन था-
   (a) जो धम्म के शिक्षक बने
   (b) जिसने शिक्षा के प्रसार में मदद की
   (c) राज्य की एकात्मकता में मदद करने हेतु
   (d) विपत्ति के समय गरीबों को राहत प्रदान करने हेतु

उत्तर: (a)
व्याख्या: बौद्ध धर्म में संघ त्रिरत्न का एक अनिवार्य अंग है। संघ में प्रवेश लेने वाले भिक्षुओं द्वारा लगातार धर्म उपदेश में व्यस्त रहने के कारण संघ धर्म प्रचार का अत्यंत महत्त्वपूर्ण साधन था। यह धम्म के शिक्षा देने वाले मठवासियों का एक संगठन था।

3. **कथन I:** अशोक ने 252 ई.पू. में तीसरी बौद्ध संगीति पाटलिपुत्र में आहूत की और वहीं पर बौद्धमत दो संप्रदायों, हीनयान और महायान में विभक्त हुआ।
   कथन II: कनिष्क ने चौथी बौद्ध संगीति श्रीनगर के पास कुंडलवन में आहूत की ओर ऐसा विश्वास है कि वसुमित्र ने इसकी अध्यक्षता की थी।

   कूट:
   (a) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है
   (b) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य हैं किंतु कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है
   (c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II असत्य है
   (d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सत्य है

उत्तर: (d)
व्याख्या: बौद्ध धर्म का प्रचार-प्रसार करने के लिये चार बौद्ध संगीतियों का आयोजन किया गया।
- प्रथम बौद्ध संगीति का आयोजन (483 ई.पू.) राजगृह में अजातशत्रु के शासनकाल में 'महाकस्सप' की अध्यक्षता में किया गया। इसमें बुद्ध के उपदेशों को सुत्तपिटक तथा विनयपिटक में अलग-अलग संकलित किया गया।
- द्वितीय बौद्ध संगीति का आयोजन (383 ई.पू.) वैशाली में कालाशोक के शासनकाल में 'साबकमीर' की अध्यक्षता में किया गया। इसमें भिक्षुओं में मतभेद के कारण बौद्ध संघ स्थविर एवं महासंधिक में विभाजित हो गया।
- तृतीय बौद्ध संगीति का आयोजन (250 ई.पू.) पाटलिपुत्र में अशोक के शासनकाल में 'मोगलिपुत्ततिस्स' की अध्यक्षता में किया गया। इसमें अभिधम्मपिटक का संकलन किया गया।
- चतुर्थ बौद्ध संगीति का आयोजन (लगभग ईसा की प्रथम शताब्दी) कुंडलवन में कनिष्क के शासनकाल में वसुमित्र की अध्यक्षता में किया गया। इसमें बौद्ध धर्म का हीनयान एवं महायान संप्रदायों में विभाजन हो गया। अत: कथन I असत्य है जबकि कथन II सत्य है।

4. बुद्ध की जीवनी की रचना बौद्ध साहित्य में विशेष स्थान रखती है। निम्नलिखित में से कौन-सी एक, बुद्ध की पूर्ण जीवनी है?
   (a) ललितविस्तर (b) मिलिन्द पन्हो
   (c) सारिपुत्र-प्रकरण (d) अवदानशतक

उत्तर: (a)
व्याख्या: ललितविस्तर एक महायान बौद्ध सूत्र है जिसमें गौतम बुद्ध की पूर्ण जीवनी है।
- मिलिन्द पन्हो का संबंध बौद्ध भिक्षु नागसेन व इंडो-ग्रीक राजा मिनाण्डर के मध्य संवाद से है।
- सारिपुत्र-प्रकरण, गौतम बुद्ध के एक प्रमुख शिष्य सारिपुत्र के विषय में है।
- अवदानशतक, बौद्ध धर्म से संबंधित एक-सौ चरित्र संबंधी कहानियों का संकलन है।

7 मौर्य साम्राज्य (322 ई.पू.–185 ई.पू.)
The Maurya Empire (322 BC-185 BC)

1. निम्नलिखित शिलालेखों में से कौन-सा एक अशोक के राज्यक्षेत्र के पूर्वतम भाग में स्थापित किया गया?
   (a) बराबर पहाड़ी गुफा शिलालेख
   (b) धौली मुख्य शिला राजादेश
   (c) सहस्रम गौण शिला राजादेश
   (d) लॉवरिया अराराज स्तंभ राजादेश

उत्तर: (b)
व्याख्या: बराबर पहाड़ी गुफा शिलालेख, बिहार के जहानाबाद जिले में स्थित है।
- धौली मुख्य शिला राजादेश, उड़ीसा के भुवनेश्वर में स्थित है।
- सहस्त्रम गौण शिला राजादेश, बिहार के रोहतास जिले में स्थित है।
- लॉवरिया अराराज स्तंभ राजादेश, बिहार के चंपारण में स्थित है।

अत: इन विकल्पों में सबसे पूर्वतम भाग में धौली मुख्य शिला राजादेश स्थित है।

2. किस बौद्ध मूल-ग्रंथ में, मौर्य सम्राट अशोक का विवरण समाहित है?
   (a) विनय पिटक (b) सुत्त पिटक
   (c) अभिधम्म पिटक (d) महावाम्सा

उत्तर: (d)
व्याख्या: महावाम्सा पाली में लिखा गया ग्रंथ है जिसमें बौद्ध-धर्म के इतिहास का विवरण है। इसमें मौर्य सम्राट अशोक का विवरण दिया गया है। अत: विकल्प (d) सही है।
- महात्मा बुद्ध के उपदेशों का संकलन उनकी मृत्यु के उपरांत 'त्रिपिटक' के रूप में किया गया। ये तीन पिटक हैं-
  - **सुत्तपिटक:** यह बौद्ध धर्म के सिद्धांतों और बुद्ध के उपदेशों का संकलन है।
  - **विनयपिटक:** इसमें संघ के नियमों का वर्णन है।
  - **अभिधम्मपिटक:** इसमें बुद्ध के गहन दार्शनिक सिद्धांतों का संकलन है।

3. भारत के बौद्ध स्तूपों के बारे में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही नहीं है?
   (a) स्तूप उपासना को प्रचलन में लाने में अशोक ने एक महत्त्वपूर्ण भूमिका निभायी।
   (b) ये बुद्ध और अन्य मठवासियों के स्मृतिशेषों के आधान (भंडार) थे।
   (c) ये ग्रामीण इलाकों में स्थित थे।
   (d) ये व्यापार-मार्गों के नज़दीक स्थित थे।

उत्तर: (c)
व्याख्या: स्तूप का विकास संभवत: मिट्टी के ऐसे चबूतरे से हुआ है, जिसका निर्माण मृतक की चिता के ऊपर अथवा मृतक की चुनी हुई अस्थियों को रखने के लिये किया जाता है। भारत में निर्मित बौद्ध-स्तूप बुद्ध एवं अन्य मठवासियों के स्मृतिशेषों का संग्रहण है। अत: कथन (b) सही है।
- अशोक ने स्तूप-निर्माण सभी महत्त्वपूर्ण व्यापारिक शहरों में बनवाएँ। अत: कथन (c) सही नहीं है जबकि कथन (d) सही है।
- इन स्तूपों की उपासना करने के प्रचलन में अशोक ने महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अत: कथन (a) सही है।

4. मेगस्थनीज कौन था?
   (a) चंद्रगुप्त मौर्य की राजसभा में यूनानी राजदूत
   (b) अशोककालीन यूनानी व्यापारी
   (c) गुप्तकालीन यूनानी व्यापारी
   (d) हर्षकालीन चीनी तीर्थयात्री

उत्तर: (a)
व्याख्या:
- मेगस्थनीज यूनानी शासक सेल्यूकस निकेटर का राजदूत था, जो चंद्रगुप्त मौर्य के दरबार में आया। इसने 'इण्डिका' में पाटलीपुत्र का विस्तार से वर्णन किया। अत: विकल्प (a) सही है।
- मेगस्थनीज की 'इण्डिका' मौर्य इतिहास की जानकारी उपलब्ध कराने का प्रमुख स्रोत है परंतु यह अपने मूलरूप में प्राप्त नहीं हुई है, बल्कि इसके कुछ भाग परवर्ती लेखकों के ग्रंथों से प्राप्त होते हैं।

5. अशोक के शिलालेखों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. प्रमुख शिलालेख XIII अशोक के कलिंग अभियान के कारण हुई वेदनाओं से हुए उसके अनुताप को अभिलिखित करता है।
   2. प्रमुख शिलालेख X अशोक की लुंबिनी की यात्रा को अभिलिखित करता है।
   3. प्रमुख शिलालेख XII अशोक द्वारा संस्थापित एक नए वर्ग के अधिकारियों, धम्म महामात्तों को निर्दिष्ट करता है।
   4. प्रमुख शिलालेख XII सभी संप्रदायों के प्रति सहनशीलता दिखाने को कहता है।

   उपर्युक्त में से कौन-से कथन सही हैं?
   (a) केवल 1 और 4
   (b) 2 और 3
   (c) केवल 3 और 4
   (d) 1, 3 और 4

8

मौर्योत्तर काल
(Post-Mauryan Period)

1. कल्हण की राजतरंगिणी से लिये गए निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. सामान्य जन चावल तथा उत्पल-शाक (कड़वे स्वाद की एक जंगली सब्ज़ी) खाते थे।
   2. हर्ष ने कश्मीर में एक ऐसी आम पोशाक शुरू की, जो राजा को शोभा दे, जिसमें एक लंबा कोट शामिल था।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: कल्हण द्वारा रचित 'राजतरंगिणी' में कश्मीर के इतिहास के संबंध में जानकारी दी गई है। यह काव्य के साथ-साथ इतिहासपरक ग्रंथ है। इसमें आदिकाल से लेकर 1151 ई. के आरंभ तक कश्मीर के प्रत्येक शासक के काल की घटनाओं का क्रमानुसार वर्णन है। सामान्य जन-जीवन, रहन-सहन एवं खान-पान का वर्णन किया गया है। अत: दोनों कथन सही हैं।

2. भारत में विदेशियों के आगमन का सही कालानुक्रम है?
   (a) शक → हूण → तुर्क → यूनानी → आर्य
   (b) आर्य → यूनानी → शक → हूण → तुर्क
   (c) यूनानी → आर्य → शक → हूण → तुर्क
   (d) आर्य → शक → यूनानी → तुर्क → हूण

उत्तर: (b)
व्याख्या: प्राचीन भारत अनेकानेक मानव-प्रजातियों का संगम रहा है। इनमें आर्य → यूनानी → शक → हूण → तुर्क आदि अनेक प्रजातियाँ शामिल थीं। ये सभी समुदाय और इनके सारे सांस्कृतिक वैशिष्ट्य आपस में इस तरह नीरक्षीरवत् हो गए कि आज उनमें से किसी को भी उनके मूल रूप से साफ-साफ पहचान नहीं सकते हैं।

3. निम्नलिखित में से किसने प्राचीन भारत पर सर्वप्रथम आक्रमण किया था?
   (a) शक (b) यूनानी
   (c) कुषाण (d) पह्लव

उत्तर: (b)
व्याख्या: यूनानियों ने सर्वप्रथम 206 ई. पू. में भारत पर आक्रमण किया था। अत: विकल्प (b) सही है।

4. मौर्योत्तर काल के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. इस काल में शुंग और सातवाहन शासक सत्ता में आए।
   2. भारत और मध्य एशिया के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंध स्थापित हुए।
   3. मध्य एशिया से आए शासकों में सबसे पहले कुषाण शासकों ने राजाओं के नाम वाले सिक्के जारी किये।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)
व्याख्या: मौर्योत्तर काल में पूर्वी भारत, मध्य भारत और दक्कन में मौर्यों के स्थान पर शुंग, कण्व और सातवाहन शासक सत्ता में आए। अत: कथन (1) सही है।
- इस काल में मध्य एशियाई लोगों के आने से मध्य एशिया और भारत के बीच घनिष्ठ व्यापारिक संबंध स्थापित हुए परिणामस्वरूप भारत को मध्य एशिया से भारी मात्रा में सोना प्राप्त हुआ और रेशम मार्ग पर नियंत्रण कर लिया। अत: कथन (2) सही है।
- मौर्यों के स्थान पर मध्य एशिया से आए कई शासकों में कुषाण सर्वाधिक प्रसिद्ध हुए, परंतु मध्य एशिया से आए शासकों में हिन्द-यूनानियों ने भारत में पहली बार राजाओं के नाम वाले सिक्के जारी किये। अत: कथन (3) सही नहीं है।

5. मध्य एशिया के शासकों द्वारा भारत पर आक्रमण करने के कारणों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. चीन की महादीवार का बनना।
   2. सेल्यूकस द्वारा स्थापित साम्राज्य का निर्बल हो जाना।
   3. अशोक के निर्बल उत्तराधिकारी।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: चीन की महादीवार बनने के बाद शक शासकों ने अपना राज्य विस्तार यूनानियों और पार्थियनों की ओर करना शुरू किया। शकों से पराजित होकर बैक्ट्रियाई यूनानी भारत में विस्तार के लिये आगे बढ़ने लगे। अत: कथन (1) सही है।
- सेल्यूकस द्वारा स्थापित निर्बल साम्राज्य मध्य एशियाई आक्रमण का महत्त्वपूर्ण कारण था। शकों के बढ़ते दबाव के कारण परवर्ती यूनानी शासक इस क्षेत्र में सत्ता नहीं बनाए रख सके। अत: कथन (2) सही है।
- अशोक के निर्बल उत्तराधिकारी इन बाहरी आक्रमणों का सामना नहीं कर सके। वंशानुगत साम्राज्य तभी तक बने रह सकते हैं, जब तक योग्य शासकों की शृखंला बनी रहे। अत: कथन (3) सही है।

9

गुप्त साम्राज्य
(The Gupta Empire)

1. इलाहाबाद प्रशस्ति के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही है?
   (a) यह गुप्त साम्राज्य को विविध राजनीतिक संबंधों के एक जटिल जाल के अधिकेंद्र के रूप में, स्पष्टतया प्रस्तुत करता है।
   (b) इसकी पंक्ति 15, कोटा परिवार के एक राजा को बंदी बनाने को, निर्दिष्ट करती है।
   (c) इसकी पंक्ति 23, आर्यावर्त के बहुत से राजाओं का समुद्रगुप्त द्वारा हिंसापूर्वक विनाश किये जाने को, निर्दिष्ट करती है।
   (d) इसकी पंक्ति 20, गुप्त राजा को कर देने वाले और उसका आदेश पालन करने वाले शासकों को निर्दिष्ट करती है।

उत्तर: (a)

व्याख्या: अशोक के दीर्घ स्तम्भ लेखों की संख्या 7 है जिनमें से इलाहाबाद स्तंभ लेख एक है जो पहले कौशांबी में था। अकबर के शासनकाल में जहाँगीर द्वारा इसे इलाहाबाद के किले में रखा गया।

- इलाहाबाद प्रशस्ति समुद्रगुप्त के राज्यकाल में बना है। यह गुप्त साम्राज्य को विभिन्न राजनीतिक संबंधों के एक जटिल जाल के अधिकेंद्र के रूप में प्रस्तुत करता है। अत: कथन (a) सही है।
- पंक्ति 13 से 15 नाग वंश से संबंधित अच्युता, नागसेना और गणपति नाग के विजय उल्लेख से संबंधित है। अत: कथन (b) सही नहीं है।
- पंक्ति 21 से 23 आर्यावर्त के 9 राजाओं का उल्लेख करती है जिन्हें समुद्रगुप्त ने हराया था। अत: कथन (c) सही नहीं है।
- पंक्ति 19 एवं 20 का संबंध समुद्रगुप्त के दक्कन अभियान से है। अत: कथन (d) सही नहीं है।

2. गुप्त काल के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) इस काल में बलात् श्रम (विष्टि), पहले की तुलना में अधिक प्रचलित हुआ।
   (b) विष्णु पुराण के एक उद्धरण में निर्दिष्ट है कि प्रयाग तक गंगा से लगे सभी भूभागों पर गुप्त वंश का आधिपत्य था।
   (c) महरौली शिलालेख यह इंगित करता है कि चंद्रगुप्त बंगाल में शत्रुओं के राज्यसंघ के विरुद्ध लड़ा था और उसने पंजाब में भी एक अभियान का नेतृत्व किया था।
   (d) सौराष्ट्र, गुप्त साम्राज्य का हिस्सा नहीं था।

उत्तर: (d)

व्याख्या: चंद्रगुप्त द्वितीय ने मालवा, गुजरात और सौराष्ट्र पर विजय प्राप्त कर पश्चिम में अपने राज्य क्षेत्र का विस्तार किया। अत: कथन (d) सही नहीं है।

3. भारतीय इतिहास में गुप्त काल के बारे में, निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) संस्कृत भाषा एवं साहित्य, सदियों के विकास के पश्चात, शाही संरक्षण के माध्यम से वहाँ पहुँचा जिसे शास्त्रीय प्रकर्ष के एक स्तर के रूप में वर्णित किया गया है।
   (b) महिलाओं की स्थिति को पुन:परिभाषित किया गया। वे औपचारिक शिक्षा की हकदार थीं और इसी कारण से उस काल में महिलाएँ शिक्षक, दार्शनिक एवं डॉक्टर थीं। समयपूर्व विवाह कानून द्वारा निषेध था तथा उन्हें संपत्ति का अधिकार था।
   (c) पुजारियों एवं मंदिरों को प्रशासनिक एवं वित्तीय निरापदाताओं के साथ-साथ भूमि तथा गाँवों के बढ़े हुए (अधिक) अनुदान दिये जाने से, प्रशासनिक सत्ता का विकेंद्रीकरण प्रभावित था।
   (d) भूमि अनुदानों ने भारत के कृषिदासता के उद्भव का तथा सामंती विकास का रास्ता खोला, जिसके परिणामस्वरूप कृषक वर्ग में निराशा हुई।

उत्तर: (b)

व्याख्या: गुप्तकाल में स्त्रियों की दशा में पहले की अपेक्षा गिरावट आई। इसका प्रमुख कारण उपनयन संस्कार बंद होना, अल्पायु में विवाह होना, पर्दा प्रथा या सती प्रथा का प्रचलन आदि था।

- इस काल में 'देवदासी प्रथा' का भी प्रचलन था। कालिदास के 'मेघदूत' में इसका उल्लेख मिलता है। स्त्री शिक्षा का प्रचलन था। 'अमरकोश' में शिक्षिकाओं के लिये उपाध्याया, उपाध्यायीय और आचार्या शब्द आए हैं। 'कामसूत्र' एवं 'मुद्राराक्षस' में वेश्याओं का वर्णन मिलता है। अत: कथन (b) सही उत्तर है।

4. नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना किस गुप्त शासक द्वारा की गई थी?
   (a) कुमारगुप्त II (b) कुमारगुप्त I
   (c) चंद्रगुप्त II (d) समुद्रगुप्त

उत्तर: (b)

व्याख्या: कुमारगुप्त प्रथम या महेंद्रादित्य (415-455 ई.) के बिलसड़, अभिलेख, मंदसौर अभिलेख, करमदंडा अभिलेख आदि से उसके शासनकाल की जानकारी मिलती है। कुमारगुप्त प्रथम ने नालंदा विश्वविद्यालय की स्थापना करवाई थी। नालंदा विश्वविद्यालय को 'ऑक्सफोर्ड ऑफ महायान' कहा जाता है। अत: विकल्प (b) सही है।

10 गुप्तोत्तर काल/पूर्व मध्यकाल (Post-Gupta Period/Pre-Medieval Period)

1. **कथन I :** जजमानी प्रथा वह थी जिसमें ग्राम के कारीगर कृषक परिवारों को, फसल के हिस्से के बदले, अपने उत्पादों की पारंपरिक रूप से नियत मात्राओं की पूर्ति करते थे।

   कथन II : जजमानी प्रथा जोतदारों (समृद्ध किसानों) और बर्गादारों (बँटाइदारों) की एक प्रथा थी।

   कूट:

   (a) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य हैं और कथन II, कथन I की सही व्याख्या है

   (b) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य हैं किंतु कथन II, कथन I की सही व्याख्या नहीं है

   (c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II असत्य है

   (d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सत्य है

उत्तर: (c)

व्याख्या: जजमानी प्रथा भारतीय गाँवों में पायी जाने वाली एक आर्थिक प्रणाली थी। यह विभिन्न जातियों के मध्य श्रम विभाजन पर आधारित थी। इसमें किसी कार्य के बदले अनाज एवं अन्य सामान प्राप्त किया जाता था। यह श्रम का एक व्यावसायिक विभाजन था, जो गाँवों को आत्मनिर्भर बनाने में सक्षम थी।

अत: कथन I सत्य है किंतु कथन II असत्य है।

2. निम्नलिखित में से कौन-से कुल (गोत्र), अग्निकुल राजपूतों में शामिल हैं?

   1. प्रतिहार
   2. चालुक्य
   3. परमार
   4. चाहमान

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

   (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 1, 3 और 4

   (c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 2 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या: राजपूतों की उत्पति के विषय में भिन्न-भिन्न मत प्रचलित है। कुछ विद्वान राजपूतों को आबू पर्वत पर वशिष्ठ के अग्निकुंड से उत्पन्न हुआ मानते हैं। यह सिद्धांत चंदबरदाई की 'पृथ्वीराज रासो' पर आधारित है। इस काल के राजपूत वंशों में गुर्जर प्रतिहार, चालुक्य, चौहान (चाहमान), परमार, गहड़वाल आदि प्रमुख है। अत: विकल्प (c) सही है।

3. भास्कर नामक राजा द्वारा हर्षवर्द्धन को भेजे गए विभिन्न उपहारों का उल्लेख हर्षचरित में मिलता है। भास्कर किससे सबंधित है?

   (a) मगध का हर्यंक राजवंश

   (b) असम का वर्मन राजवंश गुप्तोत्तर

   (c) उत्तर भारत का नंद राजवंश

   (d) उपर्युक्त में से कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या: पुष्यभूति वंश के शासक हर्षवर्धन के शासनकाल तथा समाज की जानकारी बाणभट्ट द्वारा रचित 'हर्षचरित' और चीनी यात्री ह्वेनसांग के संस्मरण में मिलती है। भास्कर वर्मन राजवंश के अंतिम शासक थे जो हर्षवर्द्धन के समकालीन थे। हर्षचरित में भास्कर द्वारा हर्षवर्धन को भेजे गए विभिन्न उपहारों का उल्लेख है। अत: विकल्प (b) सही है।

4. भारतीय इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा/से सामंती व्यवस्था का/के अनिवार्य तत्त्व है/हैं?

   1. अत्यंत सशक्त केन्द्रीय राजनैतिक सत्ता और अत्यंत दुर्बल प्रांतीय अथवा स्थानीय राजनीतिक सत्ता
   2. भूमि के नियंत्रण तथा स्वामित्व पर आधारित प्रशासनिक संरचना का उदय
   3. सामंत तथा उसके अधिपति के बीच स्वामी-दास संबंध का बनना

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: भारत में सामंतवादी समाज के विकास के बड़े दूरगामी प्रभाव पड़े। इससे राजा की शक्ति कम हो गई और वह ऐसे सामंती सरदारों पर अधिक निर्भर रहने लगा जिनके पास अपनी स्वयं की सेनाएँ थीं। इस प्रकार केन्द्रीय राजनैतिक सत्ता क्रमश: कमज़ोर होती गई तथा प्रांतीय या स्थानीय सत्ता उत्तरोत्तर मज़बूत होती गई। अत: कथन 1 गलत है।

- पूर्व मध्यकालीन भारत में सामंती संबंधों का उदय हुआ। यह भू-अनुदान प्रथा से जुड़ा हुआ है। इसके तहत धार्मिक, प्रशासनिक प्रमुखों को भूमि दान में दी जाती थी। इनको कर, प्रशासन व अन्य शाही अधिकार भी प्रदान किये गए जिससे अधीनस्थ शासक मज़बूत होते गए तथा प्रांतीय व क्षेत्रीय स्तर पर मज़बूत शासक उभरे।
- सामंती व्यवस्था में भूमि पर नियंत्रण आधारित प्रशासनिक व्यवस्था होती है। इसमें अधीनस्थ शासक कर व सैन्य सहायता देने का वायदा करता है। अत: कथन 2 सही है।
- इसके तहत स्वामी-दास के संबंधों पर आधारित व्यवस्था होती है। सामंत को अपने स्वामी राजा के प्रति स्वामिभक्ति प्रदर्शित करनी होती है। अत: कथन 3 सही है।

5. भारत की यात्रा करने वाले ह्वेनसांग ने तत्कालीन भारत की सामान्य दशाओं और संस्कृति का वर्णन किया है। इस संदर्भ में, निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   1. सड़क और नदी मार्ग लूटमार से पूरी तरह सुरक्षित थे।

11 संगम काल (Sangam Period)

1. तोलकाप्पियम किसका नाम है?
   (a) पश्चिमी भारत में एक बावड़ी
   (b) तमिल व्याकरण पर पुस्तक
   (c) तमिल भक्ति कविताओं का एक संग्रह
   (d) कन्नड़ कविताओं का एक संग्रह

उत्तर: (b)
व्याख्या: तोलकाप्पियम तमिल व्याकरण की एक पुस्तक है। तोलकाप्पियम व्याकरण और अलंकार शास्त्र का ग्रंथ है।

2. मणिमेखलै के लेखक कौन हैं?
   (a) कोवलन (b) सथनार
   (c) इलांगो अडिगल (d) तिरुतक्कातेवर

उत्तर: (b)
व्याख्या: मणिमेखलै एक तमिल महाकाव्य है जो बौद्ध कवि सथनार/सीतलैसतनार द्वारा लिखा गया है। इसमें कोवलन एवं उसकी प्रेमिका माधवी की पुत्री मणिमेखलै और राजकुमार उदयन के प्रेम संबंधों की चर्चा की गई है। अत: विकल्प (b) सही है।
- ध्यात्वय है कि जहाँ पर शिलप्पादिकारम् की कहानी खत्म होती है, वहीं से मणिमेखलै की कहानी प्रारंभ होती है।

3. पाँचवीं सदी के तमिल महाकाव्य शिलप्पादिकारम में किस नदी की स्तुति की गई है?
   (a) कावेरी (b) गोदावरी
   (c) सरस्वती (d) गंगा

उत्तर: (a)
व्याख्या: संगमकालीन महाकाव्य शिलप्पादिकारम् की रचना चेर शासक शेनगुट्टुवन के भाई इलंगोआदिगल ने की थी। यह प्रेम कथा पर आधारित महाकाव्य है।
- इस महाकाव्य के नायक और नायिका क्रमश: कोवलन और कण्णगी है। तमिल साहित्य में शिलप्पादिकारम् को एक राष्ट्रीय काव्य के रूप में मान्यता प्राप्त है।
- इसमें सूर्य, चंद्रमा और कावेरी नदी की स्तुति की गई है जो एक देवता की प्रशंसा के समकालीन परंपरा है। अत: विकल्प (a) सही है।

4. तमिल संगम ग्रंथों के अनुसार निम्नलिखित में से कौन बड़े भूमिस्वामी रहे थे?
   (a) गहपति (b) उज्हावर
   (c) अडिमाई (d) वेल्लालर

उत्तर: (d)
व्याख्या: तमिल संगम ग्रंथों के अनुसार वेल्लालर एक जनजाति है जो बड़े भूस्वामी रहे थे।

5. ब्रह्मदेय अनुदान, लगभग 600–1200 ई. के दौरान, की विशेषता/विशेषताएँ निम्नलिखित में से कौन-सी है/हैं?
   1. इनके सृजन का तात्पर्य था, राज्य द्वारा राजस्व के वास्तविक अथवा संभावित स्रोतों का त्याग।
   2. ये अनुदान, एक छोटे भूखंड से लेकर कई गाँवों तक के अंतर वाले हो सकते थे।
   3. अधिकांश अनुदान अस्थिर (अशांत) क्षेत्रों में किये गए थे।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।
   (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)
व्याख्या: 600-1200 ई. के दौरान भूमि को तीन भागों में बाँटा गया था- ब्रह्मदेय, देवदान तथा शालभोग। ब्रह्मदेय कर-मुक्त भूमि का छोटा भूखंड या संपूर्ण गाँव होता था जो ब्राह्मणों को उपहार में दिया जाता था। अत: कथन (2) सही है।
- इस उपहार/दान का तात्पर्य राज्य द्वारा राजस्व के वास्तविक या संभावित स्रोतों का त्याग करना था। अत: कथन (1) सही है।

6. संगम साहित्य के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. यह प्राचीनतम तमिल ग्रंथ है।
   2. इस साहित्य में मुक्तकों और प्रबंध काव्यों की रचना मिलती है।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: संगम साहित्य प्राचीनतम तमिल ग्रंथ है। राजाओं द्वारा संरक्षित विद्या केंद्रों में एकत्र होकर कवियों और भाटों ने तीन-चार सदियों में इस साहित्य का सृजन किया था। ऐसी साहित्यिक सभा को संगम कहते थे। यह आरंभिक सदियों में प्रायद्वीपीय तमिलनाडु के लोगों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक जीवन के अध्ययन के लिये संगम साहित्य एकमात्र स्रोत है। संगम साहित्य मुक्तकों और प्रबंध काव्यों की रचना बहुत सारे कवियों ने की है। अत: दोनों कथन सही हैं।

12 मध्यकालीन भारतीय इतिहास के स्रोत (Sources of Medieval Indian History)

1. इन यात्रियों में से कौन इटली से था और जिसने पंद्रहवीं शताब्दी में विजयनगर राज्य की यात्रा की थी?
   (a) निकितिन (b) फाहियान
   (c) बर्नियर (d) निकोलो कॉण्टी

उत्तर: (d)

व्याख्या: निकोलो डी कॉण्टी इटली का रहने वाला था। उसने देवराय प्रथम के शासनकाल में विजयनगर साम्राज्य की यात्रा की। उसने 'ट्रैवल्स ऑफ निकोलो कॉण्टी' नामक पुस्तक में इस यात्रा का वर्णन किया है। अत: विकल्प (d) सही है।

- निकितिन एक रूसी यात्री था जिसने बहमनी साम्राज्य की यात्रा की थी।
- फाहियान चीनी यात्री था जो चंद्रगुप्त द्वितीय के शासनकाल में भारत आया था। इसने मध्य देश का वर्णन किया है।
- फ्राँसीसी चिकित्सक फ्राँसिस बर्नियर था जो शाहजहाँ के शासनकाल में भारत आया। वह दानिशमंद खाँ के साथ 5 वर्षों तक रहा और उन्हें विलियम हार्वे तथा पैगुएट के रक्त परिसंचरण की खोज के बारे में बताया।

2. निम्नलिखित में से कौन-से युग्म सुमेलित हैं?

यात्री	देश
(a) मार्कोपोलो	इटली
(b) इब्नबतूता	मोरक्को
(c) निकितिन	रूस
(d) सयदी अली रईस	तुर्की

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
(a) केवल 1, 2 और 3 (b) केवल 2 और 3
(c) 1, 2, 3 और 4 (d) केवल 1 और 4

उत्तर: (c)

व्याख्या: मार्कोपोलो 13वीं शताब्दी में भारत आया था। उसने दक्षिण भारत के सामाजिक जीवन का सजीव वर्णन किया है। वह वेनिस (इटली) का निवासी था, जो पांड्य राजा के दरबार में आया था।

- इब्नबतूता मोरक्को (अफ्रीका) यात्री था जो 1333 ई. में भारत आया था। अपने ग्रंथ किताब-उल-रेहला में उसने भारत के विषय में विस्तार से लिखा है।
- निकितिन एक रूसी यात्री था जिसने बहमनी साम्राज्य की यात्रा की थी।

सयदी अली रईस तुर्की यात्री था। अत: विकल्प (c) सही है।

3. सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये और सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (ग्रंथ)	**सूची-II (लेखक)**
A. किताब-उल-हिंद	1. इब्नबतूता
B. रेहला	2. अलबरुनी
C. हुमायूँनामा	3. लाहौरी
D. पादशाहनामा	4. गुलबदन बेगम

कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	3	1	4	2
(c)	3	4	1	2
(d)	2	1	4	3

उत्तर: (d)

व्याख्या: किताब-उल-हिंद, ख्वारिज़्म से भारत आए अलबरुनी द्वारा लिखी पुस्तक है। इसमें 11वीं शताब्दी के हिंदुओं के साहित्य, विज्ञान, धर्म तथा सामाजिक परंपराओं की जानकारी प्राप्त होती है।

- रेहला, मोरक्को यात्री इब्नबतूता की कृति है।
- हुमायूँनामा, हुमायूँ की बहन गुलबदन बेगम द्वारा लिखी गई पुस्तक है। इसमें बाबर व हुमायूँ के शासनकाल का विवरण है और तत्कालीन समाज का उल्लेख किया गया है।
- पादशाहनामा को तीन इतिहासकारों द्वारा लिखा गया है–
  - शाहजहाँ के शासनकाल के प्रथम 10 वर्षों का वर्णन अमीन काज़वीनी द्वारा किया गया है।
  - अगले 20 वर्षों का वर्णन शाहजहाँ के दरबारी इतिहासकार अब्दुल हमीद लाहौरी द्वारा किया गया है। इस खंड में मनसबदारों की एक सूची भी मिलती है।
  - शाहजहाँ के शासन के 21-30 वर्ष का वर्णन मोहम्मद वारिस द्वारा किया गया है। अत: विकल्प (d) सुमेलित है।

4. मार्कोपोलो की भारत यात्रा (1271 ईसवी) ने यूरोप में किस कारण से अत्यधिक ख्याति प्राप्त की?
   (a) उसके द्वारा भारत के लिये सुरक्षित मार्ग की खोज करने के लिये
   (b) उसके द्वारा भारत के अनेक राजाओं के साथ मैत्रीपूर्ण संबंध स्थापित करने के लिये
   (c) उसके पूर्वी देशों में व्यापारिक, धार्मिक और सामाजिक अवस्थाओं के विवरण के लिये
   (d) उपर्युक्त सभी

13 तुर्कों के आक्रमण से पूर्व भारतीय राजवंश (Indian Dynasty before the Invasion of Turks)

1. भारत के इतिहास के संदर्भ में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-

शब्द		विवरण
1. एरिपत्ति	:	भूमि, जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रखा-रखाव के लिये निर्धारित कर दिया जाता था
2. तनियूर	:	एक अकेले ब्राह्मण अथवा एक ब्राह्मण समूह को दान में दिये गए ग्राम
3. घटिका	:	प्राय: मंदिरों के साथ संबद्ध विद्यालय

उपर्युक्त में से कौन-सा/से युग्म सुमेलित है/हैं?

(a) 1 और 2 (b) केवल 3

(c) 2 और 3 (d) 1 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: एरिपत्ति भूमि मुख्यत: जलाशय भूमि थी जिससे मिलने वाला राजस्व अलग से ग्राम जलाशय के रख-रखाव के लिये निर्धारित कर दिया जाता था। तनियूर चोल साम्राज्य (850–1200 ईसवी) के प्रशासन से संबंधित शब्द है। इसके तहत सभी गाँव एक स्वशासित इकाई था। प्रत्येक गाँव मिलकर एक कोर्रम या नाडु का निर्माण करते थे। तनियूर एक बड़ा गाँव था। यह इतना बड़ा था कि स्वयं ही एक कोर्रम का निर्माण करने में सक्षम था। घटिका, मध्यकालीन कर्नाटक के मंदिरों के निकट स्थित पल्लवों का सबसे महत्त्वपूर्ण शैक्षणिक संस्थान था।

2. सातवीं सदी में दक्षिण भारत के राज्यों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–

1. यहाँ कांची के पल्लव, बादामी के चालुक्य जैसे प्रमुख राज्यों का उदय हुआ।
2. दक्षिण के प्रदेशों में द्वितीय ऐतिहासिक चरण (300 ई. से 750 ई. तक) में व्यापार और नगरों का ऐश्वर्य बढ़ा।
3. इस काल के प्रमुख लक्षणों में ब्राह्मणों को कर मुक्त भूमि अनुदान भी शामिल था।

उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?

(a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (c)

व्याख्या: दक्षिण भारत में सातवीं सदी के आरंभ में कांची के पल्लव, बादामी के चालुक्य और मदुरै के पांड्य जैसे तीन प्रमुख राज्यों का उदय हुआ। अत: कथन (1) सही है।

- दक्षिण के प्रदेशों में द्वितीय ऐतिहासिक चरण (300 ई.-750 ई. तक) में व्यापार, नगर और मुद्रा तीनों का ह्रास हुआ। इस काल में कृषि अर्थव्यवस्था में कहीं अधिक विस्तार हुआ। अत: कथन (2) गलत है।
- ब्राह्मणों को कर मुक्त भूमि का अनुदान भारी संख्या में दिखाई देता है। इस काल में (द्वितीय ऐतिहासिक चरण) भूमि अनुदानों से यह सिद्ध होता है कि अनेक नए क्षेत्रों का उपयोग खेती और आवास के लिये किया गया। अत: कथन (3) सही है।

3. सातवीं सदी में दक्षिण भारत के राज्यों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों में कौन-सा असत्य है?

(a) यहाँ ब्राह्मण धर्म का उत्कर्ष हुआ।

(b) शिव और विष्णु के प्रस्तर मंदिरों का निर्माण आरंभ हुआ।

(c) पाँचवीं सदी में यहाँ 'प्राकृत' राजभाषा थी और शासनपत्र प्राकृत में ही जारी होते थे।

(d) वाकाटकों का राज्य उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ में था।

उत्तर: (c)

व्याख्या: दक्षिण भारत के राज्यों में सन् 400 ई. से संस्कृत राजभाषा हो गई थी और अधिकांश शासन-पत्र (सनद) संस्कृत में मिले हैं। इस क्षेत्र में ईसा-पूर्व दूसरी सदी और ईसा की तीसरी सदी के बीच के लगभग सभी अभिलेख प्राकृत भाषा में हैं। तमिलनाडु के ब्राह्मी अभिलेख में भी प्राकृत भाषा के शब्द हैं। अत: कथन (c) असत्य है।

- यहाँ लगभग 300 ई. से 750 ई. के मध्य ब्राह्मण धर्म का उत्कर्ष हुआ। बौद्ध और जैन धर्म जो तमिलनाडु के दक्षिणी जिलों में फैले थे, उनमें जैन धर्म सिमटकर कर्नाटक में ही रह गया। यहाँ राजाओं द्वारा किये गए वैदिक यज्ञों के साक्ष्य मिले हैं। अत: कथन (a) सत्य है।
- तमिलनाडु में पल्लव और कर्नाटक में बादामी के चालुक्यों के शासन काल में शिव और विष्णु के प्रस्तर मंदिरों का निर्माण आरंभ हुआ। अत: कथन (b) सत्य है।
- उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ में सातवाहनों के स्थान पर एक स्थानीय शक्ति वाकाटकों ने प्रमुख शहर बसाया। अत: कथन (d) सत्य है।

4. सातवाहनों के बाद दक्कन में स्थापित राजवंशों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–

1. पश्चिमी दक्कन में पल्लव राजा ने सत्ता स्थापित की, जिसकी राजधानी कांची थी।
2. प्रायद्वीप के पूर्वी भाग में चालुक्यों ने सत्ता स्थापित की।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2

(c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

14 तुर्कों का आक्रमण (Invasion of the Turks)

1. अमीर-उल-उमरा की उपाधि किसे प्राप्त होती थी?
   (a) स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने वाले सेनापति
   (b) युद्ध में जीते गए गुलाम
   (c) अफ्रासियाब के वंशज
   (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (a)
व्याख्या: नवीं सदी का अंत होते-होते अब्बासी खिलाफत का पतन हो चुका था। खलीफाओं ने एकता को कायम रखने के लिये एक तरीका अपनाया और कहा कि जो सेनापति अपने लिये स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने में कामयाब हो जाते हैं। उन्हें अमीर-उल-उमरा या सेनापतियों के सेनापति की उपाधि दी जाएगी। अत: अमीर-उल-उमरा स्वतंत्र क्षेत्र स्थापित करने वाले सेनापति थे। अत: विकल्प (a) सही है।

2. सामानियों के संबंध में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. ये ट्रांस ऑक्सियाना, खुरासान में ईरानी मूल के शासक थे।
   2. ये राज्य की सुरक्षा के साथ-साथ धर्म की रक्षा हेतु भी संघर्षरत थे।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: नवीं सदी के अंतिम दौर में ट्रांस-ऑक्सियाना, खुरासान, और ईरान के कुछ हिस्सों पर सामानियों का शासन था, जो ईरानी मूल के थे। इन्होंने एक नए सैन्य बल का गठन किया जो गाजी कहलाए। अत: ये एक ईरानी मूल के शासक थे। अत: कथन (1) सही है।
- तुर्क लोग प्राकृतिक शक्ति की पूजा करते थे। अत: ये मुसलमानों की निगाह में विधर्मी थे। इसलिये इनकी लड़ाई राज्य की सुरक्षा के साथ-साथ धर्म की रक्षा की भी लड़ाई थी। इसलिये गाजी जितने योद्धा थे, उतने ही धर्म के रक्षक भी थे। अत: कथन (2) सही है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. तुर्क गुलाम अलप्तगीन ने गजनी को राजधानी बनाकर स्वतंत्र राज्य की स्थापना की।
   2. महमूद ने मध्य एशियाई तुर्क जनजातियों का राज्य और धर्म की रक्षा हेतु सामना किया।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) इनमें से कोई नहीं।

उत्तर: (c)
व्याख्या: सामानी सूबेदारों में अलप्तगीन नामक एक तुर्क गुलाम भी था। जिसने कालांतर में गजनी को अपनी राजधानी बनाकर एक स्वतंत्र राज्य की स्थापना की और मध्य एशियाई जनजातियों से इस्लामी क्षेत्रों की रक्षा का दायित्व भी गजनवियों ने सँभाल लिया। अत: कथन (1) सही है।
- 998-1030 ई. तक गजनी पर शासन करने वाले महमूद को मध्यकालीन इतिहासकार 'इस्लाम का नायक' मानते थे। इसने मध्य एशियाई तुर्क जनजातियों से राज्य और धर्म की रक्षा करने के लिये शूरवीरता से उनका सामना किया। अत: कथन (2) सही है।

5. महमूद गज़नवी ने किस वंश से संबंधित होने का दावा किया?
   (a) अब्बासी वंश (b) गुलाम वंश
   (c) अफरासियाब वंश (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (c)
व्याख्या: महमूद गज़नवी ने खुद दावा किया है कि वह ईरान के पौराणिक राजा अफरासियाब का वंशज है। इस पर इसका इतर असर था कि फारसी भाषा और संस्कृति गजनवी साम्राज्य की भाषा और संस्कृति बन गई।

6. **कथन (A):** महमूद गज़नवी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया।
   कारण (R): वह भारत में स्थायी मुस्लिम शासन स्थापित करना चाहता था।
   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।
   (a) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R) (A) की सही व्याख्या करता है।
   (b) (A) और (R) दोनों सही हैं तथा (R) (A) की सही व्याख्या नहीं करता है।
   (c) (A) सही है, परंतु (R) गलत है।
   (d) (A) गलत है, परंतु (R) सही है।

उत्तर: (c)
व्याख्या: महमूद गज़नवी ने भारत पर 17 बार आक्रमण किया था। परंतु उसका लक्ष्य भारत में स्थायी मुस्लिम शासन स्थापित करना नहीं था, बल्कि लूटपाट करना था। अत: कथन (A) सही, लेकिन कारण (R) गलत है।

7. गज़नवी राजवंश की स्थापना किसने की थी?
   (a) सुबुक्तगीन (b) अलप्तगीन
   (c) महमूद (d) ऐबक

उत्तर: (b)
व्याख्या: गज़नवी राजवंश की स्थापना अलप्तगीन ने की थी। इसने गजनी को अपनी राजधानी बनाया। उस समय भारत के उत्तर-पश्चिमी राज्य में हिंदूशाही शासक थे।

15 दिल्ली सल्तनत (1206-1526 ई.) Delhi Sultanate (1206-1526 AD)

1. आनुष्ठानिक नातेदारी विजयनगर शासन का प्रमाण-चिह्न था। विजयनगर शासकों ने निम्नलिखित में से किस एक देवस्थल की ओर से शासन करने का दावा किया था?
   (a) विट्ठल (b) तिरुपति
   (c) विरूपाक्ष (d) मल्लिकार्जुन

उत्तर: (c)
व्याख्या: विजयनगर शासकों की विरूपाक्ष तथा पंपा देवी में श्रद्धा थी। उन्होंने स्वयं को विरूपाक्ष की ओर से शासन करने वाला कहा। विरूपाक्ष मंदिर हम्पी में अवस्थित है।

2. राजधानी को दिल्ली से दौलताबाद में स्थानांतरित करने के पीछे मुहम्मद-बिन-तुगलक का निम्नलिखित में से कौन-सा/से उद्देश्य था/थे?
   1. दौलताबाद में स्थानांतरण से दक्कन एवं गुजरात पर नियंत्रण स्थापित करने का मौका मिलता।
   2. इससे पश्चिमी एवं दक्षिणी पत्तनों तक पहुँच उपलब्ध होती।
   3. यह उत्तर-पश्चिमी सीमा के सीधे मंगोल आक्रमण से संरक्षण देता।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3
   (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: मुहम्मद-बिन-तुगलक ने राजधानी दिल्ली से देवगिरी में स्थानांतरित की और उसने देवगिरी का नाम बदलकर दौलताबाद रख दिया। इतिहासकारों के अनुसार राजधानी परिवर्तन के निम्न कारण थे-
- इसका सबसे महत्त्वपूर्ण कारण दौलताबाद का साम्राज्य के केंद्र में स्थित होना था। बरनी के अनुसार "देवगिरी को भौगोलिक महत्त्व के कारण राजधानी चुना गया था।"
- इब्नबतूता ने लिखा है कि "दिल्ली निवासियों ने सुल्तान के विरुद्ध निदंनीय पत्र लिखे थे, इसलिये उनको सजा देने के उद्देश्य से आज्ञा दी गई कि सभी दिल्ली निवासी शहर छोड़कर दूर देवगिरी को प्रस्थान करें।"
- इतिहासकार गार्डनर ब्राउन के अनुसार मंगोलों के आक्रमण के भय से राजधानी परिवर्तन किया गया। अत: तीनों कथन सत्य हैं।

3. निम्नलिखित में से किन राजवंशों ने विजयनगर राज्य के अधिराजत्व के अधीन शासन किया?
   (a) संगम, सालुव, तुलुव तथा अराविडु
   (b) संगम, होयसल, अराविडु तथा तुलुव
   (c) होयसल, सालुव, पोलिगर तथा संगम
   (d) देवगिरि के यादव, होयसल, सालुव तथा अराविडु

उत्तर: (a)
व्याख्या: विजयनगर साम्राज्य की स्थापना हरिहर और बुक्का नामक दो भाइयों द्वारा 1336 ई. में की गई थी।
- विजयनगर साम्राज्य के 4 राजवंशों ने 300 वर्षों से अधिक समय तक शासन किया।
  1. संगम वंश (1336-1485 ई.)
  2. सालुव वंश (1485-1505 ई.)
  3. तुलुव वंश (1505-1565 ई.)
  4. अराविडु वंश (1570-1652 ई.)

4. निम्नलिखित इमारतों में से किस एक में पहली मौजूद सही मेहराब (ट्रू आर्क) पाई गई है?
   (a) अढ़ाई दिन का झोंपड़ा
   (b) कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद
   (c) सुल्तान बलबन का मकबरा
   (d) अलाई दरवाज़ा

उत्तर: (c)
व्याख्या: बलबन का मकबरा विशुद्ध इस्लामिक शैली में निर्मित भारत का पहला मकबरा है। इसी में पहली बार वैज्ञानिक पद्धति से मेहराब का निर्माण कराया गया। अत: विकल्प (c) सही है।

5. निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) शरफ काई अलाउद्दीन खिलजी का एक मंत्री था।
   (b) गयासुद्दीन तुगलक के अधीन मक्तीसों (मुक्तियों) को यह चेतावनी दी गई थी कि वे अपने किसी भी अधिकारी के साथ, उसके वेतन से अधिक और ऊपर ली गई छोटी राशि के लिये, दुर्व्यवहार न करें।
   (c) अरबी कृति मसालिक-इ-अब्सार में मोहम्मद बिन तुगलक के अधीन इक्ता प्रणाली की कार्यपद्धति का वर्णन है।
   (d) मार्को पोलो ने दक्षिण भारत में तूतिकोरिन की मुक्ता मात्स्यिकी (पर्ल फिशरी) के बारे में उल्लेख नहीं किया है।

16 सूफी एवं भक्ति आंदोलन (Sufi and Bhakti Movement)

1. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा एक सुमेलित है?

भक्ति संत		दर्शन
(a) शंकर	:	अवधूत
(b) रामानंद	:	केवलाद्वैत
(c) रामानुज	:	विशिष्टाद्वैत
(d) चैतन्य	:	अद्वैत

उत्तर: (c)

व्याख्या: भक्ति आंदोलन के प्राचीनतम प्रचारकों में रामानुजाचार्य थे। ये वैष्णव संत थे। उन्होंने 'विशिष्टाद्वैतवाद' का मत दिया तथा ज्ञान के स्थान पर भक्ति को महत्त्व दिया। अत: विकल्प (c) सुमेलित है।

- भक्ति आंदोलन के प्रथम प्रचारक और संत शंकराचार्य थे। शंकराचार्य ने 'अद्वैतवाद' का सिद्धांत दिया। अत: विकल्प (a) सुमेलित नहीं है।
- रामानंद ने दक्षिण भारत के आंदोलन को उत्तर भारत में प्रसारित किया और राम की भक्ति की। अत: विकल्प (b) सुमेलित नहीं है।
- चैतन्य महाप्रभु कृष्ण भक्ति शाखा से संबंधित थे। उन्होंने बंगाल में आधुनिक वैष्णववाद की स्थापना की। इनका दर्शन 'अचिन्त्यभेदोभेदवाद' कहलाता है। अत: विकल्प (d) सुमेलित नहीं है।

2. खोजास, जो इस्माइली पंथ की एक शाखा है, द्वारा विकसित साहित्यिक विधा का नाम क्या है?

(a) जिनान (b) जियारत

(c) राग (d) शाहदा

उत्तर: (a)

व्याख्या: इस्लाम की शिया शाखा में इस्माइली, जाफरी और ज़ैदी उपशाखाएँ हैं। इस्माइली उपशाखा के अंतर्गत विभिन्न पंथ है। खोजास इनमें से एक है। खोजास शब्द 'पर्सियन ख्वाजा' से लिया गया है। इनके द्वारा विकसित साहित्यिक विधा 'जिनान' है जिसका अर्थ है 'ज्ञान'। अत: विकल्प (a) सही है।

3. संत कवि कबीर से संबंधित छंदों का संग्रह निम्नलिखित में से किस/किन परंपरा/परंपराओं में किया गया है?

1. बीजक वाराणसी वाला
2. कबीर ग्रंथावली राजस्थान वाला
3. आदि ग्रंथ साहिब

नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

(a) केवल 1 और 2

(b) 1, 2 और 3

(c) केवल 2 और 3

(d) केवल 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: कबीर से संबंधित छंद 'बीजक' में संगृहीत है। बीजक का प्रथम संस्करण 1868 ई. में रीवा के राजा विश्वनाथ सिंह द्वारा बनारस में प्रकाशित हुआ। बीजक में संगृहीत इनके दोहों के तीन भाग हैं- रमैनी, सबद और साखी।

- कबीर की अन्य रचनाओं का समूह, 'कबीर ग्रंथावली' नामक शीर्षक में संगृहीत है। यह संग्रहण मुख्य रूप से तीन हस्तलिखित संस्करण में दादू महाविद्यालय, जयपुर (राजस्थान) में संगृहीत है।
- कबीर के अन्य छंद सिख धर्म के पवित्र ग्रंथ आदि ग्रंथ साहिब में संगृहीत है। अत: विकल्प (b) सही है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सा एक भक्ति-सूफी परंपरा में आविर्भूत कवि-संतों का सही अनुक्रम है?

(a) बासवन्ना - अप्पार - मीराबाई - लालदेद

(b) अप्पार - मीराबाई - लालदेद - बासवन्ना

(c) अप्पार - बासवन्ना - लालदेद - मीराबाई

(d) बासवन्ना - मीराबाई - लालदेद - अप्पार

उत्तर: (c)

व्याख्या: पल्लव राजाओं के शासनकाल के समय तमिलनाडु में अलवार और नयनार संतों ने भक्ति आंदोलन में भाग लिया। यह आंदोलन ईसा की छठीं शताब्दी से प्रारंभ होकर नवीं शताब्दी तक चलता रहा। नयनार संतों में अप्पार, तिरुज्ञान, सम्बन्दर, सुंदरमूर्ति आदि के नाम उल्लेखनीय हैं। इसके भक्तिगीतों को 'देवारम' में संकलित किया गया है।

- बारहवीं शताब्दी के उत्तरार्ध में बासवन्ना (1106-68 ई.) ने हिंदुओं में जागृति उत्पन्न की। उन्होंने वीर शैव सम्प्रदाय चलाया, जिसमें सामाजिक समता और गुरु को अत्यधिक महत्त्व प्राप्त था।
- लालेश्वरी (1320-1392 ई.), जिन्हें स्थानीय रूप से लालदेद के नाम से भी जाना जाता है; ने कश्मीर में शिवभक्ति का प्रचार प्रसार किया।
- मीराबाई (1498-1546 ई.) ने कृष्ण की भक्ति में अनेक गीतों और पदों की रचना राजस्थानी और ब्रजभाषा में की। मीराबाई के भक्ति गीत को 'पदावली' कहा जाता है। इस आधार पर विकल्प (c) सही है।

5. निम्नलिखित में से कौन चिश्ती सूफी संत नहीं था?

(a) ख्वाज़ा मोइनुद्दीन (b) बाबा फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर

(c) निज़ामुद्दीन औलिया (d) शेख बहाउद्दीन ज़कारिया

उत्तर: (d)

व्याख्या: भारत में चिश्ती परंपरा के प्रथम संत शेख उस्मान के शिष्य ख़्वाजा मोइनुद्दीन चिश्ती थे जिन्होंने 'चिश्तिया परंपरा' की नींव रखी।

- बाबा फरीदुद्दीन गंज-ए-शकर (बाबा फरीद) के कारण चिश्ती सिलसिले को भारत में अत्यधिक प्रसिद्धि मिली। चिश्ती संतों में सबसे लोकप्रिय संत निज़ामुद्दीन औलिया, बाबा फरीद के शिष्य थे।

17

मुगल काल
(Mughal Period)

1. निम्नलिखित पर विचार कीजिये–
   बाबर के भारत में आने के फलस्वरूप:
   1. उपमहाद्वीप में बारूद के उपयोग की शुरुआत हुई।
   2. इस क्षेत्र की स्थापत्यकला में मेहराब व गुबंद बनने की शुरुआत हुई।
   3. इस क्षेत्र में तैमूरी (तिमूरिद) राजवंश स्थापित हुआ।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 3
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: बाबर के आने के बाद एक नवीन राजवंश की स्थापना हुई जिसे तैमूरी या मुगल राजवंश कहते हैं। तैमूरी राजवंश इसलिये कहा जाता है क्योंकि बाबर पितृ-पक्ष (उमर शेख मिर्ज़ा) से तैमूर लंग की पीढ़ी का था, जबकि मुगल इसलिये कहते हैं क्योंकि यह मातृ-पक्ष (कुतलुग निगार) की ओर से मंगोल चंगेज खाँ की पीढ़ी से था। अत: स्पष्ट है कि तृतीय कथन सही है।

- भारतीय उपमहाद्वीप में बारूद का प्रयोग बहमनी व विजयनगर साम्राज्य के बीच हुए युद्धों में किया गया। बाबर के आने के बाद बारूद का व्यापक प्रचलन प्रारंभ हुआ।
- स्थापत्य कला में मेहराब एवं गुंबद का प्रयोग बाबर से पहले दिल्ली सल्तनत के काल में ही प्रारंभ हो गया था।
- बाबर ने जिस नवीन राजवंश की नींव डाली, वह तुर्की नस्ल का 'चगताई वंश' था।

2. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. 1525 ई. तक उत्तर भारत की राजनीतिक परिस्थितियाँ एक निर्णायक युद्ध को आमंत्रित कर रही थीं।
   2. बाबर जब भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था उस समय दिल्ली का शासक सिकंदर लोदी था।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से असत्य है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) इनमें से कोई नहीं

उत्तर: (b)

व्याख्या: मध्यकाल में 1525 ई. तक उत्तर भारत में अत्यधिक उथल-पुथल उत्पन्न हो रही थी। यहाँ की राजनीतिक परिस्थितियाँ तेजी से बदल रही थीं और इस प्रदेश में प्रभुत्व स्थापित करने के लिये एक निर्णायक युद्ध अवश्यंभावी प्रतीत हो रहा था। अत: कथन (1) सत्य है।

- जब बाबर भारत के दरवाजे पर दस्तक दे रहा था, उस समय दिल्ली का शासक इब्राहिम लोदी था। वह अपनी आंतरिक स्थिति को मजबूत करने में लगा हुआ था। अत: कथन (2) असत्य है।

3. बाबर के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. बाबर सर्वप्रथम फरगना का शासक बना।
   2. बाबर ने 1504 ई. में काबुल पर अधिकार किया।
   3. यह तैमूर वंश का था।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-से सही हैं?
   (a) केवल 1 और 2
   (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3
   (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: 1494 ई. में 14 वर्ष की उम्र में बाबर ट्रांस-ऑक्सियाना के फरगना नामक एक छोटे से राज्य का शासक बना। अत: कथन (1) सही है।

- बाबर ने 1504 ई. में काबुल पर अधिकार किया था। वह कहता था कि, "काबुल से लेकर पानीपत में हासिल जीत तक मैंने हिन्दुस्तान को जीतने के बारे में सोचना कभी बंद नहीं किया था।" अत: कथन (2) सही है।
- बाबर के पिता तैमूर वंशज और माता मंगोल वंशज थी। बाबर ने जिस नवीन वंश की नींव डाली, वह तुर्की नस्ल का 'चंगताई वंश' था। जिसका नाम चंगेज खाँ के द्वितीय पुत्र के नाम पर पड़ा, परंतु आमतौर पर उसे 'मुगल वंश' पुकारा गया। अत: कथन (3) सही है।

4. बाबर के संदर्भ में निम्नलिखित में कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) इसे भारत प्रवेश हेतु राणा सांगा ने आमंत्रित किया था।
   (b) बाबर ने सिंधु नदी पार कर भारत में प्रवेश किया था।
   (c) इसने सर्वप्रथम 'भिरा' और 'स्यालकोट' का किला जीता।
   (d) इस समय पंजाब पर तुर्कों का शासन था।

उत्तर: (d)

व्याख्या: बाबर के पास पंजाब के सूबेदार दौलत खाँ के बेटे दिलावर खाँ के नेतृत्व में एक दूतमंडल भेजा गया था, जिसने बाबर को भारत आने के लिये निमंत्रित किया और उसी समय राणा सांगा ने भी बाबर को पत्र भेजा था और कहा कि वह इब्राहिम लोदी को अपदस्थ कर दे जब बाबर ने भारत में प्रवेश किया था उस समय पंजाब में अफगान सरदार दौलत खाँ लोदी स्वतंत्र रूप से शासन कर रहा था।

18 मराठा साम्राज्य (Maratha Empire)

1. निम्नलिखित में से कौन, मुगल दरबार के साथ राजकुमार दारा शिकोह के चिकित्सक के रूप में जुड़ा था?
   (a) हकीम अफज़ल खान (b) इब्न बतूता
   (c) फ्राँस्वा बर्नियर (d) द्वार्त बारबोसा

उत्तर: (c)
व्याख्या: फ्राँस्वा बर्नियर, एक फ्राँसीसी चिकित्सक था। जब वह हिंदुस्तान आया, तब शाहजहाँ के पुत्रों में उत्तराधिकार का युद्ध चल रहा था। अत: विकल्प (c) सही है।

2. 'पुरंदर की संधि' निम्नलिखित में से किस-किस के बीच हुई थी?
   (a) औरंगजेब - शिवाजी (b) जयसिंह - शिवाजी
   (c) शाइस्ता खाँ - शाहजी (d) शिवाजी - संभाजी

उत्तर: (b)
व्याख्या: 1665 ई. में मराठा शासक शिवाजी और औरंगजेब के विश्वासपात्र सलाहकार जयसिंह के बीच 'पुरंदर की संधि' हुई थी।

3. 'शिवाजी के राज्याभिषेक' के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. शिवाजी ने राज्याभिषेक के बाद छत्रपति की उपाधि धारण की थी।
   2. पुरोहित गंगा भट्ट ने उन्हें उच्चवर्गीय क्षत्रिय घोषित किया।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)
व्याख्या: उपर्युक्त दोनों कथन सही हैं।
- 1674 ई. में शिवाजी ने राजगढ़ में विधिवत् राजमुकुट ग्रहण करने के बाद छत्रपति की उपाधि धारण की थी।
- राजतिलक का संस्कार संपादित कराने वाले पुरोहित गंगा भट्ट ने यह घोषणा की कि शिवाजी उच्चवर्गीय क्षत्रिय हैं।

4. मराठों की प्रशासनिक व्यवस्था और उनसे संबंधित अधिकारियों के संबंध में सूची-I को सूची-II के साथ सुमेलित कीजिये-

सूची-I	**सूची-II**
A. वित्त व्यवस्था	1. वाक-ए-नवीस
B. सैन्य प्रशासन	2. पेशवा
C. लेखपाल	3. सर-ए-नौबत
D. गुप्तचर और डाक विभाग	4. मजुमदार

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	2	3	4
(b)	2	1	4	3
(c)	2	3	4	1
(d)	1	3	2	4

उत्तर: (c)
व्याख्या: सुमेलन निम्न प्रकार से है-
- शिवाजी के प्रशासन में वित्त व्यवस्था और सामान्य प्रशासन पेशवा की देखरेख में था।
- सेना के लिये जिम्मेदार सेनापति को 'सर-ए-नौबत' कहा जाता था।
- मजुमदार राज्य का लेखपाल (अकाउंटेंट) होता था।
- वाक-ए-नवीस गुप्तचर व डाक विभाग और राजकीय गृहस्थी की देखरेख करता था।

5. शिवाजी के शासनकाल के संबंध में निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-
   1. पंडितराव : पारमार्थिक दानों के लिये ज़िम्मेदार
   2. स्थायी सेना : पागा
   3. अस्थायी सैनिक : सिलहदार

   उपर्युक्त युग्मों में कौन-से सुमेलित हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: उपर्युक्त सभी युग्म सुमेलित हैं।
- शिवाजी ने अपने मंत्रिमंडल में पंडितराव की नियुक्ति की थी, जो पारमार्थिक दानों के लिये जिम्मेदार था।
- स्थायी सेना को 'पागा' कहा जाता था, जिसमें तीस से चालीस हजार घुड़सवार शामिल थे।
- अस्थायी सैनिक को 'सिलहदार' कहा जाता था।

6. शिवाजी की प्रशासनिक व्यवस्था के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-
   1. 'अष्टप्रधान' आठ मंत्रियों का समूह था।
   2. प्रत्येक मंत्री पेशवा के प्रति उत्तरदायी था।
   3. राजस्व व्यवस्था में शिवाजी ने मलिक अंबर की तद्विषयक व्यवस्था का अनुकरण किया था।

   उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही नहीं है/हैं?
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 3 (d) केवल 1 और 3

19 18वीं शताब्दी में स्थापित नवीन स्वायत्त राज्य (New Autonomous State Established in the 18th Century)

1. 18वीं शताब्दी में केरल के त्रावणकोर राज्य के बारे में निम्नलिखित विशेषताओं में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. 1729 से 1758 तक मार्तंड वर्मा त्रावणकोर के शासक थे।
   2. त्रावणकोर ने एक सशक्त सेना बनाकर 1741 में डच लोगों को हराया।
   3. त्रावणकोर ज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र था।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) 1, 2 और 3 (d) केवल 1

उत्तर: (c)
व्याख्या: वर्ष 1729 से 1758 तक मार्तंड वर्मा त्रावणकोर के शासक थे। जिन्होंने 1741 में कोलाचेल युद्ध में डच ईस्ट इंडिया कंपनी को पराजित किया।
- त्रावणकोर कालीमिर्च एवं ज्ञान का एक महत्त्वपूर्ण केंद्र था जिस पर डच और पुर्तगाली कंपनी अपना एकाधिकार रखना चाहती थी। अत: कथन (1), (2) एवं (3) सही हैं।

2. निम्नलिखित में से कौन 18वीं शताब्दी में अवध राज्य का संस्थापक था?
   (a) मुर्शिद कुली खान (b) सआदत खान
   (c) अलीवर्दी खान (d) सरफराज़ खान

उत्तर: (b)
व्याख्या: अवध के स्वायत्त राज्य का संस्थापक सआदत खाँ (बुरहान-उल-मुल्क) को माना जाता है। उसे 1722 में अवध का सूबेदार बनाया गया था। कालांतर में उसने स्वतंत्र राज्य करना प्रारंभ कर दिया। अत: विकल्प (b) सही है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. निजाम-उल-मुल्क स्वयं मुगल वजीर का अपना ओहदा छोड़कर दक्कन चला गया।
   2. अहमदशाह अब्दाली ने पानीपत की तीसरी लड़ाई में मुगल सेना को परास्त किया।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)
व्याख्या: बादशाह मुहम्मदशाह के ढुलमुलपन तथा शक्की मिजाज और दरबार में निरंतर झगड़ों से ऊबकर मुगल वजीर निजाम-उल-मुल्क ने अपना पद त्याग कर अपनी महत्त्वाकांक्षा को पूरा करने का फैसला लिया। वह 1722 में वजीर बना था और अक्तूबर 1724 में अपना पद त्यागकर दक्कन में हैदराबाद रियासत की नींव डालने दक्षिण चला गया। अत: कथन (1) सही है।
- अहमदशाह अब्दाली नादिरशाह के सबसे काबिल सेनापतियों में से एक था। उसने मुगल साम्राज्य में (खासकर दिल्ली-मथुरा) कई बार लूट-पाट की। उसने अपने स्वामी के मरने के बाद अफगानिस्तान पर अपनी सत्ता कायम करने में सफलता प्राप्त कर ली थी। उसने 1761 में मराठों को पानीपत की तीसरी लड़ाई में हराया। इस हार से मराठों की इस महत्त्वाकांक्षा को बड़ा धक्का लगा कि वे मुगल बादशाह पर नियंत्रण रखेंगे और देश पर आधिपत्य कायम करेंगे। अत: कथन (2) गलत है।

4. निजाम-उल-मुल्क आसफजाह के संदर्भ में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) इसने हैदराबाद की स्थापना की थी।
   (b) इसने केंद्रीय मुगल सत्ता से अपनी स्वतंत्रता की खुलेआम घोषणा की।
   (c) इसने दक्कन में स्थापित अपने राज्य में मुगलों के नमूने पर जागीरदारी प्रथा चलाई।
   (d) वह 1722 ई. में वजीर बना था।

उत्तर: (b)
व्याख्या: निजाम-उल-मुल्क आसफजाह ने 1724 में हैदराबाद राज्य की स्थापना की। उसको दक्कन के वायसराय का खिताब प्राप्त हुआ था।
- उसने केंद्रीय सरकार से अपनी स्वतंत्रता की खुलेआम घोषणा कभी नहीं की, मगर उसने व्यवहार में स्वतंत्र शासक के रूप में काम किया। अत: कथन (b) गलत है।
- उसने दक्कन में मुगलों के नमूने पर जागीरदारी प्रथा चलाकर सुव्यवस्थित प्रशासन स्थापित कर अपनी सत्ता को मजबूत बनाया।

5. बंगाल के नवाबों का सही कालक्रम निम्नलिखित में से कौन-सा है?
   (a) शुजाउद्दीन → मुर्शिद कुली खाँ → अलीवर्दी खाँ → सिराजउद्दौला
   (b) मुर्शिद कुली खाँ → शुजाउद्दीन → अलीवर्दी खाँ → सिराजउद्दौला
   (c) मुर्शिद कुली खाँ → अलीवर्दी खाँ → शुजाउद्दीन → सिराजउद्दौला
   (d) अलीवर्दी खाँ → मुर्शिद कुली खाँ → सिराजउद्दौला → शुजाउद्दीन

उत्तर: (b)
व्याख्या: मुर्शिद कुली खाँ को 1717 में बंगाल का सूबेदार बनाया गया, मगर वह उसका वास्तविक शासक 1700 से ही था।
- 1727 में मुर्शिद कुली खाँ की मृत्यु के बाद उसके दामाद शुजाउद्दीन ने बंगाल पर 1739 तक शासन किया। उसकी जगह पर उसका बेटा सरफराज खाँ आया, जिसे उसी साल गद्दी से हटाकर अलीवर्दी खाँ नवाब बन गया।
- सिराजउद्दौला अलीवर्दी खाँ का उत्तराधिकारी था।

20 भारत में यूरोपीयों का आगमन (The Arrival of Europeans in India)

1. मद्रास में इंग्लिश ईस्ट इंडिया कंपनी के अधिवास के स्थान को किस नाम से जाना जाता था?
   (a) फोर्ट विलियम (b) फोर्ट सेंट जॉर्ज
   (c) एल्फिंस्टन सर्किल (d) मार्बल पैलेस

उत्तर: (b)
व्याख्या: फ्राँसिस डे ने वर्ष 1639 में चंद्रगिरी के राजा से मद्रास को पट्टे पर ले लिये, जहाँ कालांतर में एक किलेबंद कोठी बनाई गई। इसी कोठी को 'फोर्ट सेंट जॉर्ज' नाम दिया गया। अत: विकल्प (b) सही है।

2. फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी ने भारत में अपना कारखाना सबसे पहले कहाँ स्थापित किया था?
   (a) कालीकट (b) सूरत
   (c) पांडिचेरी (d) मसुलीपट्टनम

उत्तर: (b)
व्याख्या: फ्राँसीसियों ने भारत में अन्य यूरोपीय कंपनियों की अपेक्षा सबसे बाद में प्रवेश किया। सन् 1664 में फ्राँस के सम्राट लुई चौदहवें के मंत्री कोल्बर्ट के प्रयास से 'फ्रेंच ईस्ट इंडिया कंपनी' की स्थापना हुई। वर्ष 1668 में फ्रैंकोइस कैरो द्वारा सूरत में प्रथम फ्राँसीसी फैक्ट्री की स्थापना की गई। अत: विकल्प (b) सही है।
- गोलकुंडा रियासत के सुल्तान से अधिकार पत्र प्राप्त करने के पश्चात् सन् 1669 में मसुलीपट्टनम (वर्तमान नाम- मछलीपट्टनम) में दूसरी व्यापारिक कोठी स्थापित की गई।

3. निम्नलिखित में से कौन-सी एक फसल भारत में पुर्तगालियों द्वारा लाई गई थी?
   (a) अफीम (b) कॉफी
   (c) पान (d) मिर्च

उत्तर: (d)
व्याख्या: भारत में तंबाकू की खेती, जहाज निर्माण (कालीकट एवं गुजरात), प्रिंटिंग प्रेस की शुरुआत और मिर्च की फसल पुर्तगालियों के आगमन के पश्चात् हुई। पुर्तगालियों ने ही 1556 ई. में गोवा में प्रथम प्रिंटिंग प्रेस की स्थापना की। भारत में गोथिक स्थापत्य कला पुर्तगालियों की ही देन है। अत: विकल्प (d) सही है।

4. अंग्रेज़ों की बंगाल में पैठ के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. जॉब चार्नाक अगस्त 1690 में सुतानती में आया तथा उसने कलकत्ता की स्थापना की जो बाद में ब्रिटिश भारतीय साम्राज्य का केंद्र बना।
   2. फ्राँसीसी ईस्ट इंडिया कंपनी ने कलकत्ता में फोर्ट विलियम के निकट एक दुर्ग का निर्माण किया।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1, न ही 2

उत्तर: (a)
व्याख्या: 1698 में अजीमुशान द्वारा अंग्रेज़ों को सुतानती, कलिकाता (कालीघाट-कलकत्ता) और गोविंदपुर नामक तीन गाँवों की जमींदारी मिल गई। इन्हीं को मिलाकर जॉब चार्नाक ने कलकत्ता की नींव रखी। कंपनी की इस नई किलेबंद बस्ती को फोर्ट विलियम का नाम दिया गया। 1700 में अंग्रेज़ों ने कलकत्ता को पहला प्रेसिडेंसी नगर घोषित किया। अत: कथन (1) सही एवं (2) गलत है।

5. निम्नलिखित में से कौन ब्रिटिश-पूर्व काल में अपने व्यापारी पोत सूरत बंदरगाह में नहीं लाए थे?
   (a) पुर्तगाली और अंग्रेज (b) रूसी और जर्मन
   (c) अंग्रेज़ और अरब (d) फ्राँसीसी तथा अरब

उत्तर: (b)
व्याख्या: ब्रिटिश पूर्व काल में हिंद महासागर के व्यापार पर अरब व्यापारियों का एकाधिकार था। आगे चलकर विभिन्न यूरोपीय कंपनियाँ भी अपने व्यापारिक पोतों को दीव, दमन, सूरत, कन्नूर आदि बंदरगाहों में लेकर आयीं जिसमें पुर्तगाली, डच, अंग्रेज और फ्राँसीसी कंपनियाँ शामिल थीं। इन्होंने विभिन्न स्थानों पर अपनी व्यापारिक कोठियाँ भी स्थापित कीं। अत: स्पष्ट है कि रूस और जर्मन ब्रिटिश पूर्व काल में भारत में अपने व्यापारिक पोतों को नहीं लाये थे। अत: विकल्प (b) सही है।

6. 17वीं शताब्दी के आरंभिक काल में अंग्रेजों के साथ व्यापार वार्ताएँ शुरू करने के लिये मुगल, निम्नलिखित में से किस बात से प्रेरित हुए?
   (a) 1612 में स्वैली (सुवेली) में पुर्तगाली जहाज़ी बेड़े पर अंग्रेजों की विजय
   (b) अंग्रेज़ राजा द्वारा मुगल बादशाह को भेजे गए उपहार
   (c) विलियम हॉकिन्स की राजनयिक निपुणता
   (d) सर टॉमस रो के कौशल

उत्तर: (a)
व्याख्या: 1612 में स्वैली में अंग्रेज़ी जहाज ड्रैगन ने पुर्तगाली जहाजी बेड़े के साथ सफलतापूर्वक युद्ध किया तथा हिंद महासागर में ब्रिटिश नौसेना के प्रवेश का मार्ग प्रशस्त किया। जहाँगीर, जिसके पास अच्छी नौसेना नहीं थी, अंग्रेजों की सफलता से बेहद प्रभावित हुआ। अत: विकल्प (a) सही है।

21 अंग्रेज़ों की भारत विजय
(The British Conquest of India)

1. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. बक्सर की लड़ाई ने अंग्रेज़ों को भारत में अपना राज्य स्थापित करने की कुंजी प्रदान की।
   2. 1765 में हुई इलाहाबाद की संधि ने ब्रिटिश को बंगाल में अपना राज्य स्थापित करने में मदद की।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (c)

व्याख्या: अक्तूबर 1764 में हुए बक्सर के युद्ध में अंग्रेज़ी सेना का नेतृत्व हेक्टर मुनरो एवं मीर कासिम की सेना का नेतृत्व गुर्गीन खाँ द्वारा किया गया। इस युद्ध में शुजाउद्धौला, मीर कासिम तथा शाहआलम द्वितीय के नेतृत्व वाली सम्मिलित सेना की पराजय हुई।

- बक्सर के युद्ध में विजय के पश्चात् बंगाल में अंग्रेज़ी सत्ता के प्रभुत्व की स्थापना हुई और कंपनी ने एक अखिल भारतीय शक्ति का रूप धारण कर लिया। अत: कथन (1) सही है।
- इलाहाबाद की प्रथम संधि (12 अगस्त, 1765) मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय और अंग्रेज़ गवर्नर क्लाइव के मध्य हुई। इसमें कंपनी को बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई। अत: कथन (2) सही है।

2. शाह आलम II के बारे में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सही हैं?
   1. ब्रिटिश से लड़ाई करने के लिये वह बंगाल के मीर जाफर के साथ मिल गया।
   2. ब्रिटिश से लड़ने के लिये यह बंगाल के मीर कासिम तथा अवध के शुजाउद्दौला के साथ मिल गया।
   3. ब्रिटिश ने उसे हरा दिया था।
   4. वह इलाहाबाद में ब्रिटिश का पेंशनभोगी बनकर रहा।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-

   (a) 2, 3 और 4 (b) 1, 2 और 4
   (c) 1, 3 और 4 (d) केवल 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: बक्सर के युद्ध में शुजाउद्दौला, मीर कासिम तथा शाहआलम द्वितीय के नेतृत्व वाली सम्मिलित सेना अंग्रेज़ों द्वारा पराजित हुई। इस युद्ध के पश्चात् शाहआलम द्वितीय अंग्रेजों की शरण में आ गया। अत: कथन (1) सही नहीं है जबकि कथन (2) व (3) सही है।

- वर्ष 1765 में मुगल सम्राट शालआलम द्वितीय तथा अंग्रेज़ गवर्नर क्लाइव के मध्य इलाहबाद की प्रथम संधि हुई। इसके तहत कंपनी को मुगल सम्राट शाहआलम द्वितीय से स्थायी रूप से बंगाल, बिहार एवं उड़ीसा की दीवानी प्राप्त हुई व इसके बदले कंपनी ने मुगल सम्राट को 26 लाख रूपये की वार्षिक पेंशन देना स्वीकार किया। अत: कथन (4) सही है।

3. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. समय के साथ बदलने की उसकी इच्छा के प्रतीक थे- एक नए कैलेंडर को लागू करना, सिक्का ढलाई की नई प्रणाली काम में लाना तथा माप-तौल के नए पैमानों को अपनाना।
   2. उसकी एक अत्यंत प्रिय उक्ति थी "शेर की तरह एक दिन जीना बेहतर है, लेकिन भेड़ की तरह लंबी जिंदगी जीना अच्छा नहीं है।"

   उपर्युक्त दोनों कथन निम्नलिखित में से किस शासक से संबंधित हैं?

   (a) टीपू सुल्तान (b) हैदरअली
   (c) अलीवर्दी खाँ (d) सआदत खाँ

उत्तर: (a)

व्याख्या: उपर्युक्त दोनों ही विशेषताएँ टीपू सुल्तान के विषय में हैं। वह समय के साथ चलने वाला बहादुर और निर्भीक शासक था। टीपू के विषय में कुछ अन्य बातें निम्नलिखित हैं-

- उसे फ्राँसीसी क्रांति में गहरी दिलचस्पी थी। उसने श्रीरंगपट्टम में 'स्वतंत्रता-वृक्ष' लगाया और जैकोबिन क्लब का सदस्य भी बना।
- उसने वर्ष 1796 के बाद एक आधुनिक नौसेना खड़ी करने की भी कोशिश की थी।
- उसके समय मैसूर का किसान ब्रिटिश शासित राज्य मद्रास के किसान की तुलना में अधिक संपन्न और खुशहाल था।
- अंतिम आंग्ल-मैसूर युद्ध (1799) में वह श्रीरंगपट्टम के द्वार पर लड़ता हुआ मारा गया।

4. महाराजा रणजीत सिंह के संबंध में नीचे दिये गए कथनों पर विचार कीजिये–
   1. इन्होंने सतलुज नदी के पश्चिम के सभी सिख प्रधानों को अपने अधीन कर पंजाब में अपना राज्य कायम किया।
   2. इन्होंने जीते हुए क्षेत्रों में मुगल भू-राजस्व व्यवस्था के स्थान पर एक नई व्यवस्था आरंभ की।
   3. इनकी फौज में केवल सिख लोग ही शामिल थे।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?

   (a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 3 (d) 1, 2 और 3

22 भारत में ब्रिटिश शक्ति का विस्तार (Expansion of British Power in India)

1. निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं, कथन I तथा कथन II। इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण कीजिये और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये।

कथन I: 1856 में नवाब वाजिद अली शाह को, उनके क्षेत्र में कुशासन होने के तर्क पर, गद्दी से उतारकर कलकत्ता निर्वासित कर दिया गया था।

कथन II: नवाव पर यह अभियोग था कि वे विद्रोही मुखिया और ताल्लुकदारों पर नियंत्रण पाने में असमर्थ रहे।

कूट:

(a) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है

(b) दोनों कथन अलग-अलग सही हैं, किंतु कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है

(c) कथन I सही है, किंतु कथन II गलत है

(d) कथन I गलत है, किंतु कथन II सही है

उत्तर: (a)
व्याख्या: लॉर्ड डलहौजी ने 'व्यपगत के सिद्धांत' के तहत महत्त्वपूर्ण रियासतों का अंग्रेज़ी साम्राज्य में विलय किया। नवाब वाजिदअली शाह अवध के अंतिम नवाब थे। कुशासन का आरोप लगाकर 1856 में नवाब को गद्दी से उतारकर कलकत्ता निर्वासित कर दिया। नवाब पर आरोप था कि वे विद्रोही मुखिया एवं ताल्लुकदारों पर नियंत्रण करने में असमर्थ रहे हैं अत: दोनों कथन सही हैं व कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।

2. 'राज्य-अपहरण नीति' एक ऐसी नीति थी, जिसका उद्देश्य था–

(a) भारतीय रियासतों में विद्रोह को नियंत्रित करना

(b) ब्रिटिश सैन्य शक्ति को बढ़ाना

(c) ज़मींदारों को नियंत्रित करना

(d) अंग्रेज़ी ईस्ट इंडिया कंपनी की राज्यक्षेत्रीय सीमाओं को बढ़ाना

उत्तर: (d)
व्याख्या: लार्ड डलहौजी ने अंग्रेज़ी साम्राज्य विस्तार की महत्त्वकांक्षा से व्यपगत सिद्धांत (डॉक्ट्रिन ऑफ लैप्स) का सहारा लिया। इसके अनुसार सुरक्षा प्राप्त राज्य के शासक की मृत्यु पर राज्य उसके दत्तक पुत्र को नहीं सौंपा जाएगा।

- यह संतानहीन शासकों के राज्यों को अंग्रेज़ी साम्राज्य में मिलाने की नीति थी।

3. निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं, कथन I और कथन II। आपको इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर इस प्रश्न का उत्तर चुनना है।

कथन:

I. लॉर्ड डलहौज़ी द्वारा 1856 में किये गए अवध के समामेलन के फलस्वरूप सिपाहियों की आर्थिक अवस्था दुष्प्रभावित हुई।

II. सिपाहियों को अवध में उस भूमि पर जहाँ उनके परिवारजन रहते थे, ऊँचे कर देने पड़ते थे।

कूट:

(a) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II असत्य है।

(d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सत्य है।

उत्तर: (a)
व्याख्या: 1856 ई. में कुशासन का आरोप लगाकर व्यपगत के सिद्धांत के अंतर्गत अवध को ब्रिटिश राज्य में मिला लिया गया। इस समामेलन के परिणामस्वरूप सिपाहियों पर ऊँचे कर आरोपित कर दिये गए। जिसके कारण सिपाहियों की आर्थिक व्यवस्था दुष्प्रभावित होने लगी। अत: कथन (I) एवं कथन (II) दोनों सत्य है।

4. वर्ष 1798 में लॉर्ड वेलेज़ली द्वारा अभिकल्पित सहायक मैत्री के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक सही नहीं है?

(a) ब्रिटिश सत्ता के साथ सहायक मैत्री करने वाले राज्यक्षेत्र अपने आंतरिक तथा बाह्य संरक्षण के लिये ज़िम्मेवार थे।

(b) मित्रराज्य के राज्यक्षेत्र में, एक ब्रिटिश सशस्त्र सैन्यदल तैनात किया जाना था।

(c) मित्रराज्य द्वारा अपने राज्यक्षेत्र में ब्रिटिश सैन्यदल के अनुरक्षण के लिये संसाधन उपलब्ध कराया जाना था।

(d) मित्रराज्य को अन्य शासकों के साथ समझौता करने के लिये ब्रिटिश सत्ता की अनुमति चाहिये थी।

उत्तर: (a)
व्याख्या: सहायक संधि एक प्रकार की मैत्री संधि थी, जिसका प्रयोग 1798-1805 तक गवर्नर जनरल लॉर्ड वेलेजली ने भारत के देशी राज्यों के संबंध में किया था। इस संधि की विशेषताएँ निम्नलिखित हैं–

- राज्य, कंपनी की स्वीकृति के बिना शत्रु राज्य के व्यक्ति को शरण या नौकरी नहीं देगा।
- राज्य अपनी विदेश नीति को कंपनी को सुपुर्द कर देगा। अत: विकल्प (d) सही है।
- देशी रियासतें अपनी रक्षा के लिये अंग्रेज़ी सेना रखेगी, जिसका खर्च रियासत को उठाना पड़ेगा। अत: विकल्प (b) व (c) सही हैं।

23 भारत में ब्रिटिश शासकों की आर्थिक नीति एवं उसका प्रभाव (British Ruler's Economic Policy and Its Impact in India)

1. निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा एक औपनिवेशिक भारत के उद्योगों के बारे में सही नहीं है?
   (a) जूट उद्योग लगभग संपूर्णत: यूरोपीयों के स्वामित्व में था।
   (b) सूती-वस्त्र उद्योग लगभग संपूर्णत: भारतीयों के स्वामित्व में था।
   (c) सूती-वस्त्र उद्योग आमाप में छोटा था।
   (d) सूती उद्योग की वृद्धि सरकारी सहयोग का परिणाम था।

उत्तर: (d)
व्याख्या: औपनिवेशिक काल में केवल उन उद्योगों पर ध्यान दिया गया जो ब्रिटिश औद्योगिक विकास में सहायक थे। चाय, कॉफी, रबड़ व जूट उद्योग आदि ऐसे क्षेत्र थे जिसमें, लगभग संपूर्णत: यूरोपीयों का ही स्वामित्व था। यह ब्रिटिश शासन के निवेश के मुख्य क्षेत्र थे।
- सूती-वस्त्र उद्योग लगभग भारतीयों के स्वामित्व में ही रहा, ब्रिटिश निवेशकों ने इसमें निवेश नहीं किया क्योंकि ये ब्रिटिश कम्पनियों से ही प्रतिस्पर्द्धा करते। अंग्रेजी कपड़ों की सस्ती कीमतों के आगे भारत में हाथ से बने महँगे कपड़े टिक नहीं सके। फलत: भारतीय वस्त्र-उद्योग का पतन हुआ और ये आमाप में छोटे हो गए।

अत: कथन (d) सही नहीं है।

2. चिरस्थायी बंदोबस्त (इस्तमरारी बंदोबस्त) को अन्य प्रदेशों में बहुत ही कम विस्तारित किया गया क्योंकि:
   (a) 1810 के पश्चात् कृषि मूल्य में वृद्धि हो गई जिससे फसल का मूल्य बढ़ गया जबकि चिरस्थायी बंदोबस्त में राज्य के अंश में वृद्धि स्वीकृत नहीं थी।
   (b) रिकार्डों के आर्थिक सिद्धांतों का नीति-निर्माताओं पर प्रभाव पड़ा।
   (c) राज्य को रैय्यत से सीधे बंदोबस्त करना कालोचित प्रतीत हुआ।
   (d) उपर्युक्त सभी।

उत्तर: (d)
व्याख्या: लार्ड कॉर्नवालिस द्वारा स्थायी बंदोबस्त व्यवस्था बिहार, उड़ीसा, बंगाल, यू.पी. के बनारस प्रखण्ड एवं कर्नाटक के उत्तरी भाग में लागू की गयी। जिसके अंर्तगत ब्रिटिश भारत का लगभग 19 प्रतिशत भाग शामिल था।
- इस व्यवस्था से कृषि उत्पादन में वृद्धि के साथ-साथ सरकार की आय में कोई वृद्धि नहीं हुई। इसका संपूर्ण लाभ केवल ज़मींदारों को ही प्राप्त हुआ।
- यह कुछ समय के लिये लाभदायक रही लेकिन इससे कोई दीर्घकालिक लाभ प्राप्त नहीं हुआ। रैय्यतों से सीधे बंदोबस्त करना अधिक उचित लगा इसलिए कुछ स्थानों के अलावा इस व्यवस्था को अंग्रेजों ने अन्य प्रदेशों में विस्तारित नहीं किया।

3. निम्नलिखित कथनों में से, औपनिवेशिक भारत में ब्रिटिश कंपनियों द्वारा रेलवे के निर्माण से संबंधित कौन-सा/से कथन सही नहीं है/हैं?
   1. भारत सरकार द्वारा कंपनियों को उनके निवेश पर 5 प्रतिशत का प्रतिलाभ प्रत्याभूत किया गया था
   2. रेलवे का प्रबंधन प्रमुखत: सरकार द्वारा किया जाना था
   3. अधिमानी मालभाड़े की कोई पद्धति नहीं थी
   4. कंपनियों को सरकार से भूमि नि:शुल्क मिलनी थी

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 3 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 4 (d) 2, 3 और 4

उत्तर: (b)
व्याख्या: 1853 में 'डलहौजी मेमो' से रेलवे के विकास में तीव्रता आई और निजी कंपनियों ने निवेश की शुरुआत की। निवेश को आकर्षित करने के लिये उन्हें 5 प्रतिशत ब्याज की गारंटी दी गई। अत: कथन (1) सही है।
- रेलवे के प्रबंधन के लिये 1869 तक 33 कंपनियाँ थी, जिसमें 24 निजी, 5 सरकारी व 4 देशी रियासतों की थी। अत: कथन (2) सही नहीं है।
- कंपनियों को सरकार द्वारा नि:शुल्क भूमि मिलनी थी और अधिमानी मालभाड़े की व्यवस्था की गई। अत: कथन (3) सही नहीं है जबकि कथन (4) सही है।

4. निम्नलिखित में से कौन-सी, स्थायी बंदोबस्त की विशेषता नहीं है?
   (a) स्थायी बंदोबस्त ने भू-स्वामित्व का अधिकार ज़मींदार में निहित किया।
   (b) स्थायी बंदोबस्त ने कृषकों के प्रथागत दखल-अधिकार को ध्यान में बनाए रखा।
   (c) स्थायी बंदोबस्त के अधीन, उच्च मालगुज़ारी निर्धारण का भार कृषकों पर डाल दिया गया।
   (d) स्थायी बंदोबस्त के अधीन, भूमि के वास्तविक कृषकों की दशा में गिरावट आई।

उत्तर: (b)
व्याख्या: लार्ड कॉर्नवालिस द्वारा बंगाल, बिहार, उड़ीसा, उत्तरी कर्नाटक एवं यू.पी. के बनारस प्रखण्ड में स्थायी बंदोबस्त प्रणाली लागू की गई। इसमें ब्रिटिश भारत का लगभग 19% भाग शामिल था।
- इसमें ज़मींदारों को भूमि का स्थायी मालिकाना हक दे दिया गया। किसानों के भूमि संबंधी अधिकारों को छीन लिया गया। अत: कथन (2) सही नहीं है।
- इसमें उच्च मालगुजारी निर्धारण का भार कृषकों पर डाल दिया गया।

24

1857 का विद्रोह
(The Revolt of 1857)

1. 1857 की क्रांति के दौरान चिनहट के युद्ध में ब्रिटिश के विरुद्ध लड़ने वाले विद्रोही का नाम क्या है?
   (a) अहमदुल्लाह शाह (b) शाह मल
   (c) मंगल पांडे (d) कुँवर सिंह

उत्तर: (a)

व्याख्या: 30 जून, 1857 में लखनऊ में लड़े गए चिनहट के युद्ध में ब्रिटिश के विरुद्ध अहमदुल्लाह शाह ने विद्रोह किया। अत: विकल्प (a) सही है।

- शाह मल ने उत्तर प्रदेश के बरौत में क्रांति का नेतृत्व किया।
- 29 मार्च, 1857 को चर्बी लगे कारतूस के प्रयोग का विरोध 34वीं रेजिमेंट, बैरकपुर के सैनिक मंगल पांडे ने किया तथा विद्रोह की शुरुआत की। उसने सैन्य अधिकारी लेफ्टिनेंट बाग एवं मेजर सार्जेंट की गोली मारकर हत्या कर दी। 8 अप्रैल, 1857 को सैन्य अदालत के निर्णय के बाद मंगल पांडे को फाँसी की सजा दे दी गई, जो कि 1857 की क्रांति का प्रथम शहीद माना गया।
- जगदीशपुर, बिहार में 1857 की क्रांति का विद्रोह कुँवर सिंह ने किया।

2. 1857 के विद्रोह का निम्नलिखित में से कौन-सा एक कारण नहीं था?
   (a) यह अफवाह कि ब्रिटेनवासियों ने बाज़ार में बिकनेवाले आटे में गाय और सूअर की हड्डियों का चूर्ण मिलाया था।
   (b) यह भविष्यवाणी कि प्लासी युद्ध की शताब्दी पर, 23 जून, 1857 को ब्रिटिश शासन का अंत होगा।
   (c) ब्रिटिश शासन से सामान्य जन में असंतोष।
   (d) यह भविष्यवाणी कि ब्रिटिश शासन के अंत के साथ कलियुग का अंत होगा और रामराज्य फिर से आएगा।

उत्तर: (d)

व्याख्या: 1857 के विद्रोह के निम्नलिखित कारण हैं–

- 1857 के विद्रोह के पूर्व बंगाल सेना में यह बात फैल गई कि कारतूस की खोल में गाय और सूअर की चर्बी का प्रयोग किया जाता है। अत: इससे हिंदू और मुस्लिम सैनिकों को लगा कि चर्बीदार कारतूस का प्रयोग उनके धर्म को नष्ट कर देगा। अत: विकल्प (a) सही है।
- इसी समय यह अपवाह फैली थी कि कंपनी का शासन 1757 में प्लासी के युद्ध से प्रारंभ हुआ था और वर्ष 1857 में 100 वर्षों के पश्चात् समाप्त हो जाएगा। अत: विकल्प (b) सही है।
- ब्रिटिश औपनिवेशिक नीतियों के कारण जनसामान्य में व्यापक असन्तोष उत्पन्न हुआ तथा वे नीतियाँ व्यापक विद्रोह की सूत्राधार बन गईं। अत: विकल्प (c) सही है।
- अंग्रेजों में प्रजातीय भेदभाव तथा श्रेष्ठता की भावना, ईसाई मिशनरियों को प्रोत्साहन, ब्रिटिश शासन की दोषपूर्ण न्याय व्यवस्था आदि 1857 के विद्रोह के अन्य कारण थे। अत: उपर्युक्त विवेचन के आधार पर विकल्प (d) सही नहीं है।

3. निम्नलिखित में से किसके बारे में यह माना गया कि वह 1857 में, ब्रिटिश के विरुद्ध षड्यंत्रकारी संन्यासियों और फकीरों का नेता था?
   (a) मंगल पांडे (b) बहादुर शाह-II
   (c) रानी ज़ीनत महल (d) नाना साहब

उत्तर: (d)

व्याख्या: 5 जून, 1857 को कानपुर अंग्रेज़ों के हाथ से निकल गया। यहाँ पर पेशवा बाजीराव द्वितीय के दत्तक पुत्र नाना साहब ने विद्रोह को नेतृत्व प्रदान किया। इसमें उनकी सहायता तात्या टोपे (रामचंद्र पांडुरंग) ने की। 1857 की क्रांति में नाना साहब को षड्यंत्रकारी संन्यासियों और फकीरों का नेता कहा गया। दिसंबर 1857 में कैंपबेल ने कानपुर पर फिर से अधिकार कर लिया। नाना साहब अंत में नेपाल चले गए।

4. महारानी विक्टोरिया की उद्घोषणा (1858) का उद्देश्य क्या था?
   1. भारतीय राज्यों को ब्रिटिश साम्राज्य में मिलाने के किसी भी विचार का परित्याग करना।
   2. भारतीय प्रशासन को ब्रिटिश क्राउन के अंतर्गत रखना।
   3. भारत के साथ ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार का नियमन करना।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये-
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (a)

व्याख्या: 1857 ई. की क्रांति के तात्कालिक व दूरगामी रूप में कई महत्त्वपूर्ण परिणाम हुए। इसका एक महत्त्वपूर्ण परिणाम था- महारानी विक्टोरिया का घोषणा पत्र।

इसकी निम्न महत्त्वपूर्ण बातें थीं-

- भारतीय शासन की बागडोर कंपनी के हाथों से निकलकर क्राउन के हाथों में चली गई। गवर्नर जनरल को अब वायसराय कहा जाने लगा।
- इसमें स्पष्ट किया गया कि भविष्य में कोई भी राज्य अंग्रेज़ी राज्य में नहीं मिलाया जाएगा। भारतीय नरेशों को गोद लेने का अधिकार वापस कर दिया गया।
- सरकार अब भारतीयों के धार्मिक, सामाजिक मामलों में कोई हस्तक्षेप नहीं करेगी।
- भारतीय सैनिकों की संरचना व अनुपात में बदलाव भी हुआ।

25 प्रमुख भारतीय विद्रोह (Major Indian Revolts)

1. दक्कन दंगा आयोग का संबंध किससे था?
   (a) किसानों की ऋणग्रस्तता
   (b) दक्कन में विधि और व्यवस्था का अभाव
   (c) रैय्यतवाड़ी व्यवस्था की समस्याएँ
   (d) दक्कन में सांप्रदायिक दंगे

उत्तर: (a)
व्याख्या: महाराष्ट्र के पूना, अहमदाबाद, सतारा और शोलापुर आदि में साहुकारों के विरुद्ध किसानों का विद्रोह हुआ, जिसे 'दक्कन विद्रोह' कहते हैं। इसी की जाँच हेतु ब्रिटिश सरकार ने 'दक्कन दंगा आयोग' का गठन किया। इसका मुख्य उद्देश्य यह जाँचना था कि क्या सरकारी राजस्व की माँग का स्तर विद्रोह का कारण था? आयोग ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि सरकारी राजस्व की मांग किसानों के विद्रोह का कारण नहीं थी अपितु इसमें दोष साहूकारों व ऋणदाताओं का ही था।

2. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (कृषक आंदोलन)	**सूची-II (नेता/अनुयायी)**
A. बकाश्त भूमि आंदोलन	1. बाबा रामचंद्र
B. एका आंदोलन	2. कुन्हम्मद हाजी
C. मोपला विद्रोह	3. मदारी पासी
D. अवध किसान सभा आंदोलन	4. कार्यानंद शर्मा

कूट:

	A	B	C	D
(a)	4	3	2	1
(b)	4	2	3	1
(c)	1	2	3	4
(d)	1	3	2	4

उत्तर: (a)
व्याख्या: बिहार के बकाश्त भूमि आंदोलन में सहजानंद सरस्वती, कार्यानंद शर्मा, राहुल सांस्कृत्यानन, पंचानन शर्मा आदि नेताओं ने नेतृत्व प्रदान किया।
- एका आंदोलन का नेतृत्व पिछड़ी जाति के मदारी पासी ने किया था।
- मोपला विद्रोह केरल के मालाबार तट पर किया गया जिसके मुख्य नेता कुन्हम्मद हाजी, थांगल एवं अली मुस्लियार थे।
- अवध किसान सभा आंदोलन का नेतृत्व बाबा रामचंद्र ने असहयोग आंदोलन के समय किया।

अत: कूट (a) सही है।

3. सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये तथा सूचियों के नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–

सूची-I (आंदोलन)	**सूची-II (जनाधार/अनुसरण)**
A. बारदोली सत्याग्रह	1. बरगदार
B. तिभागा	2. कालिपराज
C. सत्यशोधक समाज	3. मुंडा
D. उलगुलान	4. कुणबी कृषक

कूट:

	A	B	C	D
(a)	2	4	1	3
(b)	2	1	4	3
(c)	3	4	1	2
(d)	3	1	4	2

उत्तर: (b)
व्याख्या: सूरत के बारदोली तालूका में 1928 में लगान वृद्धि के विरुद्ध किसानों द्वारा आंदोलन किया गया। इसमें कुनबी-पाटीदार जातियों के भू-स्वामी किसानों के साथ-साथ कालिपराज (अश्वेतजन) भी शमिल थे।
- 20वीं सदी में बंगाल के सर्वाधिक सशक्त आंदोलन 'तेभागा आंदोलन' के नेता कंपाराम सिंह एवं भवन सिंह थे। इसमें बर्गदारों (किसानों) ने आंदोलनकारियों को भरपूर समर्थन प्रदान किया।
- ज्योतिबा फूले ने निम्न जातियों के कल्याण हेतु 1873 में सत्यशोधक समाज की स्थापना की। इससे प्रेरित होकर कुणबी, माली जैसे लगभग 700 दलित परिवारों ने धार्मिक मामलों में स्वयं को ब्राह्मणों से पृथक करने के लिये आंदोलन शुरू किया।
- बिरसा मुंडा के नेतृत्व में छोटा नागपुर क्षेत्र में हुए विद्रोह को मुंड़ा विद्रोह या उल्गुलान विद्रोह (महान हलचल) के नाम से जाना जाता है।

अत: कूट (b) सही है।

4. 1855–56 के संथाल हूल के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. संथाल लोग निराशाजनक स्थिति में थे क्योंकि जनजातीय भूमि पट्टे पर दे दी गई थी।
   2. संथाल विद्रोहियों के साथ अंग्रेज़ अधिकारियों ने बहुत नरमी से व्यवहार किया।
   3. संथालों के आवासित क्षेत्रों को अंतत: संथाल परगनाओं के नाम से जानी जाने वाली अलग प्रशासनिक इकाइयों में संघटित कर दिया गया था।

26 ब्रिटिश भारत में सामाजिक–धार्मिक सुधार आंदोलन
(Socio-Religious Movement in British India)

1. समाज सुधारक, राजा राममोहन राय के विषय में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा गलत है?
   (a) राममोहन राय उस संभ्रांत वर्ग के थे जिसकी शक्ति चिरस्थायी बंदोबस्त (परमानेंट सेटिलमेंट) लागू करने पर कम हो गई थी।
   (b) उन्होंने वेदांत के अद्वैतवाद और ईसाई ईश्वरैक्यवाद दोनों का अध्ययन किया था।
   (c) उन्होंने उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया था।
   (d) उनका पहला संगठन आत्मीय सभा था, जिसकी स्थापना कलकत्ता में 1815 में हुई थी।

उत्तर: (a)
व्याख्या: भारत में नवजागरण के अग्रदूत, सुधार आंदोलनों के प्रवर्तक, आधुनिक भारत के पिता एवं भारतीय पत्रकारिता के जनक राजा राममोहन राय ने एकेश्वरवादी मत के प्रचार हेतु कलकत्ता में 1815 में आत्मीय सभा का गठन किया। अत: कथन (d) सही है।
- उन्होंने वेदों के अध्ययन के साथ इस्लाम के एकेश्वरवाद, सूफीमत के रहस्यवाद, ईसाई धर्म की आचार शास्त्रीय नीतिपरक शिक्षा आदि का अध्ययन किया व इनके प्रबल समर्थक थे। अत: कथन (b) सही है।
- उन्होंने उपनिषदों का बंगाली में अनुवाद किया। अत: कथन (c) सही है।
- आर.सी. दत्त एवं राजा राममोहन राय जैसे विद्वान स्थायी बंदोबस्त प्रणाली के समर्थक थे। अत: कथन (a) सही नहीं है।

2. निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं, कथन I और कथन II। आपको इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर इन प्रश्न का उत्तर चुनना है।

   कथन:
   I. राममोहन राय ने अपनी प्रसिद्ध पुस्तक गिफ्ट टू मोनोथीज़्म में अनेकों ईश्वरों में विश्वास के विरोध में तथा एक ईश्वर की उपासना के पक्ष में प्रभावशाली तर्क दिये।
   II. राममोहन राय ने अपनी प्रीसेप्ट्स ऑफ जीसस में न्यू टेस्टामेंट के नैतिक और दार्शनिक संदेश को पृथक करने का प्रयास किया।

   कूट:
   (a) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।
   (b) दोनों कथन अलग-अलग सत्य हैं और कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।
   (c) कथन I सत्य है, किंतु कथन II असत्य है।
   (d) कथन I असत्य है, किंतु कथन II सत्य है।

उत्तर: (b)
व्याख्या: राजा राममोहन राय ने 1809 में एकेश्वरवादियों को उपहार नामक पुस्तक लिखी जिसमें उन्होंने एक ईश्वर की उपासना के पक्ष में तर्क प्रस्तुत किये। अत: कथन (I) सत्य है।
- राजा राममोहन राय ने 1820 में प्रीसेप्स ऑफ जीसस नामक अपनी पुस्तक में 'न्यू टेस्टामेंट' के नैतिक एवं दार्शनिक संदेशों को उनकी चमत्कारिक कहानियों से पृथक करने का प्रयास किया। अत: कथन (II) सत्य है।

3. निम्नलिखित में से किसकी/किनकी स्थापना राजा राममोहन राय द्वारा की गई थी?
   1. आत्मीय सभा
   2. ब्रह्म समाज
   3. प्रार्थना समाज
   4. आर्य समाज

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) 1, 2 और 3
   (b) केवल 2
   (c) केवल 1 और 2
   (d) 1, 3 और 4

उत्तर: (c)
व्याख्या: एकेश्वरवादी मत के प्रचार हेतु वर्ष 1815 में राजा राममोहन राय ने 'आत्मीय सभा' की स्थापना की।
- वर्ष 1828 में राजा राममोहन राय ने कलकत्ता में ब्रह्मा सभा की स्थापना की, जिसे बाद में 'ब्रह्म समाज' कहा गया। अत: विकल्प (c) सही है।
- महाराष्ट्र में वर्ष 1867 में डॉ. आत्माराम पांडुरंग ने प्रार्थना समाज की स्थापना की।
- वर्ष 1875 में दयानंद सरस्वती ने बंबई में आर्य समाज की स्थापना की। वर्ष 1877 में आर्य समाज का मुख्यालय लाहौर में स्थापित किया गया।

4. निम्नलिखित में से किसने 1815 में आत्मीय सभा की स्थापना की?
   (a) केशव चंद्र सेन
   (b) देवेंद्रनाथ टैगोर
   (c) राम मोहन राय
   (d) विजय कृष्ण गोस्वामी

उत्तर: (c)
व्याख्या: एकेश्वरवादी मत के प्रचार हेतु राजा राममोहन राय ने 1815 में 'आत्मीय सभा' की स्थापना की।

5. ब्रह्म समाज के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
   1. इसने मूर्ति पूजा का विरोध किया।
   2. धार्मिक ग्रंथों की व्याख्या के लिये इसने पुरोहित वर्ग को अस्वीकारा।
   3. इसने इस सिद्धांत का प्रचार किया कि वेद त्रुटिहीन हैं।

27 भारत में राजनीतिक चेतना का विकास (The Development of Political Consciousness in India)

1. निम्नलिखित में से किससे/किनसे भारत में अंग्रेज़ी शिक्षा की नींव पड़ी?
   1. 1813 का चार्टर एक्ट
   2. जनरल कमेटी ऑफ़ पब्लिक इंस्ट्रक्शन, 1823
   3. प्राच्यविद् एवं आंग्लविद् विवाद

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 2 (b) केवल 2
   (c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)
व्याख्या: 1813 के चार्टर एक्ट द्वारा पहली बार ब्रिटिश शासन द्वारा संस्थागत शिक्षा की पहल की गई, लेकिन इस चार्टर में शिक्षा के उद्देश्यों एवं प्रसार के माध्यमों को लेकर किसी भी तरह की स्पष्टता का अभाव था, इसी के परिणामस्वरूप शिक्षा का माध्यम अंग्रेज़ी या देशी होने संबंधी विवाद की नींव पड़ी।

इसके पश्चात् 1823 में गवर्नर जनरल-इन-काउंसिल द्वारा 'जनरल कमिटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन' गठित की गई। इस कमिटी को 1813 के चार्टर एक्ट के अंतर्गत शिक्षा के लिये अनुमोदित 1 लाख के आवंटन के तरीके को निर्धारित करने का दायित्व दिया गया, लेकिन शिक्षा के माध्यम को लेकर 1813 में जो विवाद शुरू हुआ था यह कमिटी भी उसका समाधान निकालने में असफल रही। विवाद के दौरान दस सदस्यों वाली जनरल कमिटी ऑफ पब्लिक इंस्ट्रक्शन पाँच-पाँच सदस्यों के दो गुटों में विभाजित हो गई। इसी विभाजन को प्राच्यविद बनाम आंग्लविद विवाद के रूप में देखा जा सकता है। यह विवाद 1835 तक चला। अंततः लॉर्ड विलियम बैंटिक द्वारा मैकाले के प्रसिद्ध 'मैकाले मिनट ऑफ एजुकेशन' को संस्तुति प्रदान करने से अंग्रेज़ी शिक्षा को अधिकृत रूप से मान्यता मिली। अतः प्रश्न के संदर्भ में तीनों ही विकल्प 1, 2 और 3 सही हैं।

2. 1830 के दशक में 'आंग्लिकों' और 'प्राच्यविदों' के बीच हुई बहस की निम्नलिखित में से कौन-सी विशेषता/विशेषताएँ है/हैं?
   1. आंग्लिक संस्कृत और अरबी ग्रंथों के मुद्रण पर खर्च होने वाली धनराशि में कमी करना चाहते थे
   2. आंग्लिक संस्कृत में ग्रंथों के मुद्रण पर खर्च होने वाली धनराशि में कमी करना चाहते थे, परंतु फारसी में मुद्रण जारी रखना चाहते थे
   3. प्राच्यविद्, अरबी और संस्कृत के विद्यार्थियों के लिये वृत्तिका चाहते थे
   4. प्राच्यविदों ने दिल्ली में एक नया संस्कृत महाविद्यालय प्रारंभ किया

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 (b) 1, 3 और 4
   (c) केवल 1 और 3 (d) 2, 3 और 4

उत्तर: (c)
व्याख्या: लोक शिक्षा के लिये स्थापित सामान्य समिति के 10 सदस्यों में दो गुट बन गए थे, जिसमें एक प्राच्य शिक्षा समर्थक था और दूसरा आंग्ल शिक्षा समर्थक।
- प्राच्यविदों का तर्क था कि पाश्चात्य विज्ञान एवं साहित्य को बढ़ावा परम्परागत भारतीय भाषाओं अर्थात् अरबी, फारसी में दिया जाना चाहिए। वे भारतीय भाषाओं यथा अरबी, संस्कृत आदि के विद्यार्थियों के लिये वृत्तिका चाहते थे।
- संस्कृत-महाविद्यालय की स्थापना कलकत्ता में की गई थी। अतः कथन (4) सही नहीं है।
- आंग्लिक गुट का नेतृत्व मुनरो व एलिफिंस्टन ने किया। उनका तर्क था कि प्राच्य-शिक्षा पद्धति मरणासन्न है और उसको पुनर्जीवित करना असंभव है। वे अरबी, फारसी एवं संस्कृत के ग्रंथों के मुद्रण पर होने वाले खर्च में कमी चाहते थे। अतः कथन (2) सही नहीं है।

3. 1835 के अंग्रेज़ी शिक्षा अधिनियम के बारे में निम्नलिखित में से कौन-सा कथन सही नहीं है?
   (a) इसे मैकॉले की सलाह पर गवर्नर जनरल विलियम बेंटिक द्वारा प्रस्तावित किया गया था
   (b) इसने अंग्रेज़ी को भारतीय शिक्षा प्रणाली में शिक्षण की भाषा बनाया
   (c) शिक्षण की भाषा के रूप में अंग्रेज़ी के औपचारिक संस्थानीकरण के साथ ही भारतीय शिक्षा में एक नई दिशा की अवस्था तैयार हो गई
   (d) विद्यमान प्राच्य संस्थानों के लिये, विद्यार्थियों को नई वृत्तिकाएँ देना तथा प्राचीन उच्च ग्रंथों का प्रकाशन

उत्तर: (d)
व्याख्या: 2 फरवरी, 1835 को गवर्नर-जनरल की कार्यकारिणी परिषद के सदस्य लार्ड मैकाले ने आंग्लदल को समर्थन देते हुए अंग्रेजी शिक्षा के महत्त्व पर एक स्मरण-पत्र दिया। जिसे विलियम बेंटिक ने स्वीकार करते हुए स्कूलों एवं कॉलेजों में शिक्षा का माध्यम अंग्रेजी बना दिया, जिससे अंग्रेज़ी का औपचारिक संस्थानीकरण हो गया। इन प्रावधानों से जनसाधारण की शिक्षा उपेक्षित होने लगी।
- कथन (d) अंग्रेज़ी शिक्षा अधिनियम के प्रावधानों में शामिल नहीं है।

4. वुड डिस्पैच के बारे में निम्नलिखित में से कौन-से कथन सत्य हैं?
   1. सहायता अनुदान व्यवस्था (ग्रांट्स-इन-एड) शुरू की गई।
   2. विश्वविद्यालयों की स्थापना की सिफारिश की गई।
   3. शिक्षा के सभी स्तरों पर शिक्षण माध्यम के रूप में अंग्रेज़ी की सिफारिश की गई।

28 कांग्रेस की स्थापना से पूर्व राजनीतिक संस्थाएँ (Political Associations before the Establishment of Congress)

1. 1851 में कलकत्ता में स्थापित पहली प्रमुख स्वैच्छिक संस्था का नाम क्या है, जो मुख्यत: भारतीय ज़मींदारों के हितों का प्रतिनिधित्व करती थी?
   (a) ब्रिटिश भारतीय संघ (ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन)
   (b) भूमिधारक समाज (लैंडहोल्डर्स सोसायटी)
   (c) मद्रास देशीय संघ (मद्रास नेटिव एसोसिएशन)
   (d) बॉम्बे संघ (बॉम्बे एसोसिएशन)

उत्तर: (a)

व्याख्या: अक्तूबर 1851 में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना कलकत्ता में राधाकांत देव की अध्यक्षता में की गई। इसके अन्य प्रमुख सदस्यों में देवेंद्रनाथ टैगोर, रामगोपाल घोष, प्यारी चंद्र मित्र, कृष्णदास पाल आदि थे। पूर्ववर्ती दोनों प्रमुख संस्थाओं (लैंडहोल्डर्स सोसायटी एवं बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी) की असफलताओं के कारण इन दोनों को मिलाकर 'ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन' का गठन किया गया। यह संस्था भूमिपतियों के हितों के लिये मुख्य रूप से कार्यरत थी। अत: विकल्प (a) सही है।

- लैंडहोल्डर्स सोसायटी की स्थापना वर्ष 1838 में द्वारकानाथ टैगोर द्वारा कलकत्ता में की गई थी। यह पहली राजनीतिक सभा थी, जिसने संगठित राजनीतिक प्रयासों का शुभारंभ किया।
- कलकत्ता के ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की शाखा वर्ष 1852 में मद्रास में गजुलू लक्ष्मीनरसु चेट्टी द्वारा स्थापित की गई। इसका नाम मद्रास नेटिव एसोसिएशन रखा गया।
- 26 अगस्त, 1852 को दादाभाई नौरोजी ने कलकत्ता के ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की तर्ज़ पर 'बंबई एसोसिएशन' की स्थापना की। इसका उद्देश्य सरकार को समय-समय पर ज्ञापन देकर भेदभावपूर्ण नियमों एवं सरकारी नीतियों के लिये सुझाव देना था।

2. 1866 में दादाभाई नौरोजी द्वारा लंदन में, निम्नलिखित में कौन-से संघ (संस्था) की स्थापना की गई थी?
   (a) द बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी
   (b) द ईस्ट इंडिया एसोसिएशन
   (c) द ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन
   (d) द मद्रास नेटिव एसोसिएशन

उत्तर: (b)

व्याख्या: वर्ष 1866 में दादाभाई नौरोजी द्वारा ईस्ट इंडिया एसोसिएशन की स्थापना की गई। इसका उद्देश्य ब्रिटिश जनता तथा संसद को भारतीय विषयों से अवगत कराना तथा भारतवासियों के पक्ष में इंग्लैंड में जनसमर्थन तैयार करना था। वर्ष 1869 में बंबई में इसकी शाखा स्थापित हुई। कालांतर में भारत के विभिन्न भागों में इसकी शाखाएँ खुल गईं। अत: विकल्प (b) सही है।

- बंगाल ब्रिटिश इंडिया सोसायटी नामक राजनीतिक सभा की स्थापना जॉर्ज थॉमसन की अध्यक्षता में वर्ष 1843 में की गई।
- अक्टूबर 1851 में ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना कलकत्ता में राधाकांत देव की अध्यक्षता में की गई।
- मद्रास नेटिव एसोसिएशन की स्थापना वर्ष 1852 में गजुलू लक्ष्मीनरसु चेट्टी द्वारा की गई थी।

3. निम्नलिखित युग्मों पर विचार कीजिये-
   1. राधाकांत देव – ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के प्रथम अध्यक्ष
   2. गजुलु लक्ष्मीनरसु चेट्टी – मद्रास महाजन सभा के संस्थापक
   3. सुरेंद्रनाथ बनर्जी – इंडियन एसोसिएशन के संस्थापक

   उपर्युक्त युग्मों में से कौन-सा/से सही सुमेलित है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 1 और 3
   (c) केवल 2 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: राधाकांत देब– ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन के प्रथम अध्यक्ष थे। ब्रिटिश इंडियन एसोसिएशन की स्थापना 31 अक्तूबर, 1851 को हुई। गजुलु लक्ष्मीनरसु चेट्टी- इन्होंने मद्रास नेटिव एसोसिएशन की स्थापना 1852 में की। मद्रास महाजन सभा की स्थापना मई 1884 में एम. वीरराघवाचारी, सुब्रमण्यम अय्यर तथा आनंद चार्लू द्वारा की गई। सुरेंद्रनाथ बनर्जी– इंडियन एसोसिएशन की स्थापना 1876 में सुरेंद्रनाथ बनर्जी तथा आनंद मोहन बोस ने की।

6. नीचे दी गई सूची-I को सूची-II से सुमेलित कीजिये–

सूची-I (संस्थापक)	**सूची-II (संस्था)**
A. सुरेन्द्रनाथ बनर्जी	1. मद्रास महाजन सभा
B. जस्टिस रानाडे	2. पूना सार्वजनिक सभा
C. एम. वीर राघवाचारी	3. इंडियन एसोसिएशन
D. फिरोजशाह मेहता	4. बॉम्बे प्रेसीडेंसी एसोसिएशन

कूट:

	A	B	C	D
(a)	1	3	4	2
(b)	2	3	1	4
(c)	3	2	1	4
(d)	4	2	3	1

29 राष्ट्रीय आंदोलन (1885–1947 ई.)
National Movement (1885–1947 AD)

गांधी के आगमन से पूर्व राष्ट्रीय आंदोलन

1. बाल गंगाधर तिलक किससे संबंधित थे?
   1. पूना सार्वजनिक सभा
   2. सहमति की आयु विधेयक (दी एज आफ़ कन्सेन्ट बिल)
   3. गौरक्षिणी सभा
   4. आत्मीय सभा

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1 और 2 (b) 1, 2 और 4
   (c) 3 और 4 (d) केवल 2 और 4

उत्तर: (a)

व्याख्या: महादेव गोविंद रानाडे द्वारा 1867 में 'पूना सार्वजनिक सभा' की स्थापना की गई। बाल गंगाधर तिलक इस सभा के सर्वाधिक विख्यात मराठी पत्रकार थे। प्रसिद्ध भारतीय समाज सुधारक बहरामजी मालावारी के प्रयत्नों से 1891 में सम्मति आयु अधिनियम पारित किया गया। इस अधिनियम द्वारा लड़कियों के विवाह की न्यूनतम आयु 12 वर्ष कर दी गई। बाल गंगाधर तिलक ने इस अधिनियम का विरोध किया। विकल्प (a) सही है।

- गौरक्षिणी सभा का संबंध गायों के संरक्षण से था। तिलक इससे संबंधित नहीं थे।
- आत्मीय सभा की स्थापना 1814 में राजा राममोहन राय द्वारा कलकत्ता में की गई।

2. निम्नांकित कथनों में कौन सा/से सही है/हैं?
   1. अखिल भारतीय नेशनल कांफ्रेस का आयोजन आनंद मोहन बोस ने 1883 में किया।
   2. ए.ओ. ह्यूम के प्रयासों से 1884 ई. में 'इंडियन नेशनल यूनियन' नामक संस्था गठित की गयी।
   3. पी. आनंद चार्लू एवं शिशिर कुमार घोष कांग्रेस के प्रारम्भिक नेताओं में शामिल थे।

   कूट:
   (a) केवल 2 और 3 (b) केवल 1
   (c) केवल 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: 19वीं शताब्दी में राष्ट्रवादी राजनीतिक नेता एक अखिल भारतीय संगठन के निर्माण में प्रयासरत थे। अत: अवकाश प्राप्त अधिकारी एलन ऑक्टेवियन ह्यूम ने वर्ष 1883 में 'अखिल भारतीय कॉन्फ्रेंस' का आयोजन किया। आगे चलकर 1884 में 'इंडियन नेशनल यूनियन' की स्थापना हुई। अत: कथन 2 सही है।

- इंडियन एसोसिएशन ने दिसंबर 1883 में कलकत्ता के अल्बर्ट हॉल में आनंद मोहन बोस की अध्यक्षता में पहली इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस का आयोजन किया। दूसरी इंडियन नेशनल कॉन्फ्रेंस कलकत्ता में दिसंबर 1885 में हुई, जिसकी अध्यक्षता सुरेंद्रनाथ बनर्जी ने की थी। वर्ष 1886 में इसका विलय भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस में कर दिया गया। अत: कथन 1 सही है।
- 25 सितंबर, 1875 को शिशिर कुमार घोष द्वारा इंडियन लीग की स्थापना कलकत्ता में की गई। आगे चलकर वर्ष 1884 में एम. वीर राघवाचारी, जी. सुब्रह्मण्यम् अय्यर और पी. आनंद चार्लू ने मद्रास महाजन सभा की स्थापना की। दोनों संस्थाओं ने कांग्रेस के आरंभिक चरण में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाई। अत: कथन 3 सही है।

3. 1878 के वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट/देशी प्रेस अधिनियम के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. यह अधिनियम भारतीय भाषा में प्रकाशित होने वाले समाचार-पत्रों के खिलाफ था।
   2. इस अधिनियम का उद्देश्य राजद्रोही सामग्री के मुद्रण और परिसंचरण को नियंत्रित करना था।
   3. इसमें मजिस्ट्रेट की कार्रवाई को अंतिम माना जाता था जिसके विरुद्ध न्यायालय में कोई अपील नहीं की जा सकती थी।

   उपर्युक्त कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   (a) केवल 2 (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 1 और 2 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (d)

व्याख्या: वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट (देसी प्रेस अधिनियम), 1878 में लॉर्ड लिटन के वायसराय काल में पारित हुआ। यह केवल भारतीय भाषायी समाचार पत्रों के विरुद्ध निर्देशित था। अत: कथन 1 सही है।

- अधिनियम का उद्देश्य जनता के मन में ब्रिटिशों के विरुद्ध असंतोष भड़काने वाली राजद्रोह सामग्री के मुद्रण और परिसंचरण को नियंत्रित करना था। अत: कथन 2 सही है।
- वर्नाक्यूलर प्रेस एक्ट ने ज़िला दंडनायक को यह अधिकार प्रदान किया कि वह किसी समाचार पत्र के मुद्रक या प्रकाशक को अनुबंध का आदेश दे सकता है कि वह शपथ ले कि वह ऐसी किसी भी सामाग्री को प्रकाशित नहीं करेगा जिससे संस्कार या विभिन्न धर्मों, जातियों, नस्लों, आदि के बीच द्वेष फैले। यदि ऐसा घटित होता है तो उनके द्वारा जमा की गई राशि जब्त हो सकती थी और प्रेस भी जब्त किया जा सकता था। इसके अलावा, दंडनायकों की कार्रवाई को अंतिम माना गया था और इस संबंध में न्यायालय में कोई अपील नहीं की जा सकती थी। अत: कथन 3 सही है।

30 भारत के गवर्नर जनरल तथा वायसराय (Governor General and Viceroy of India)

1. निम्नलिखित युग्मों में से कौन-सा सुमेलित नहीं है?
   (a) लॉर्ड नॉर्थ: 1773 का रेग्यूलेटिंग एक्ट
   (b) लॉर्ड कॉर्नवालिस: चिरस्थायी बंदोबस्त
   (c) लॉर्ड बैंटिक: सती-प्रथा का उन्मूलन
   (d) लॉर्ड कैनिंग: भारतीय शिक्षा का कार्यवृत्त

उत्तर: (d)
व्याख्या: 1773 के रेग्यूलेटिंग एक्ट के समय इंग्लैंड के प्रधानमंत्री लॉर्ड नॉर्थ थे। यह अधिनियम भारत में कंपनी के प्रशासन पर ब्रिटिश संसदीय नियंत्रणों के प्रयासों की शुरुआत था। इस समय बंगाल के गवर्नर जनरल वारेन हेस्टिंग्स थे। अत: युग्म (a) सुमेलित है।
- वर्ष 1790 में लॉर्ड कॉर्नवालिस ने 10 वर्षीय भू-राजस्व व्यवस्था लागू की जिसे वर्ष 1793 में स्थायी कर दिया गया। अत: युग्म (b) सुमेलित है।
- लॉर्ड विलियम बैंटिक के समय में वर्ष 1829 में राजा राममोहन राय के प्रयासों से सती प्रथा को प्रतिबंधित कर दिया गया। अत: युग्म (c) सुमेलित है।
- वर्ष 1854 में लॉर्ड डलहौजी के काल में शिक्षा सुधार के लिये वुड डिस्पैच आया इसे भारतीय शिक्षा का मैग्नाकार्टा कहा जाता है। अत: युग्म (d) सुमेलित नहीं है।

2. निम्नलिखित में से किस गवर्नर जनरल ने नगर-नियोजन की आवश्यकता पर एक प्रशासकीय आदेश जारी किया ?
   (a) कॉर्नवालिस (b) डलहौजी
   (c) वेलेजली (d) हार्डिंग

उत्तर: (c)
व्याख्या: गवर्नर जनरल वेलेजली ने 1803 में नगर-नियोजन की आवश्यकता पर एक प्रशासकीय आदेश जारी किया और इस विषय में कई कमेटियों का गठन किया। अत: विकल्प (c) सही है।

3. भारत में रेलवे लाइन का विकास किस गवर्नर जनरल के काल में हुआ?
   (a) लॉर्ड कर्जन (b) लॉर्ड डलहौजी
   (c) लॉर्ड वेलेजली (d) वारेन हेस्टिंग्स

उत्तर: (b)
व्याख्या: भारत में रेलवे लाइन के विकास का कार्य सर्वप्रथम डलहौजी के समय में शुरू हुआ। 1848 में भारत का गवर्नर-जनरल बनने वाला लॉर्ड डलहौजी भारत में तेजी से रेल लाइन बिछाने का समर्थक था। बंबई और ठाणे के बीच पहली रेल लाइन यातायात के लिये 1853 में शुरू की गई। अत: विकल्प (b) सही है।

4. भारत में नागरिक सेवा (सिविल सर्विस) का जन्मदाता किसे माना जाता है?
   (a) लॉर्ड कॉर्नवालिस
   (b) लॉर्ड मेयो
   (c) लॉर्ड डलहौजी
   (d) लॉर्ड विलियम बैंटिक

उत्तर: (a)
व्याख्या: नागरिक सेवा (सिविल सर्विस) का जन्मदाता कॉर्नवालिस था। कंपनी की नागरिक सेवा (सिविल सर्विस) उस समय संसार में सबसे अधिक भुगतान पाने वाली सेवा थी। अत: विकल्प (a) सही है।

5. निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये–
   1. भारत में पुलिस व्यवस्था का सृजन कॉर्नवालिस के द्वारा किया गया।
   2. लॉर्ड डलहौजी के समय भारत में थानों की व्यवस्था स्थापित की गई।

   उपर्युक्त में से कौन-सा/से कथन सही है/हैं?
   (a) केवल 1 (b) केवल 2
   (c) 1 और 2 दोनों (d) न तो 1 और न ही 2

उत्तर: (a)
व्याख्या: पुलिस व्यवस्था भारत में ब्रिटिश शासन का एक प्रमुख स्तंभ थी। इसका सृजन करने वाला कॉर्नवालिस था। उसने जमींदारों को पुलिस कार्यों से मुक्त कर दिया और कानून तथा व्यवस्था बनाए रखने के लिये एक नियमित पुलिस दल की स्थापना की। अत: कथन (1) सही है।
- कॉर्नवालिस ने थानों की व्यवस्था स्थापित की थी। हर थाने का प्रधान दरोगा होता था जो भारतीय होता था। अत: कथन (2) गलत है।

6. भारत में दीवानी और फौजदारी कचहरियों के श्रेणीबद्ध संगठन के ज़रिये न्याय प्रदान करने की नई व्यवस्था का आरंभ किसके द्वारा शुरू किया गया?
   (a) कॉर्नवालिस (b) वारेन हेस्टिंग्स
   (c) विलियम बैंटिक (d) लॉर्ड क्लाइव

उत्तर: (b)
व्याख्या: दीवानी और फौजदारी कचहरियों के श्रेणीबद्ध संगठन के ज़रिये न्याय प्रदान करने की नई व्यवस्था को वारेन हेस्टिंग्स ने आरंभ किया मगर कॉर्नवालिस ने इसे सुदृढ़ बनाया। कॉर्नवालिस ने हर ज़िले में एक दीवानी अदालत कायम की जिसका प्रमुख ज़िला जज होता था, जो नागरिक सेवा का सदस्य होता था। इस तरह कॉर्नवालिस ने दीवानी जज और कलेक्टर के ओहदों को अलग-अलग कर दिया। अत: विकल्प (b) सही है।

31 भारत में संवैधानिक विकास (Constitutional Development in India)

1. निम्नलिखित प्रश्न में दो कथन हैं, कथन-I और कथन-II आपको इन दोनों कथनों का सावधानीपूर्वक परीक्षण करना है और नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर प्रश्न का उत्तर चुनना है-

कथन:

I. रेग्युलेटिंग एक्ट की त्रुटियों और ब्रिटिश राजनीति की तात्कालिक आवश्यकताओं के कारण पिट्स इंडिया एक्ट पारित करने की आवश्यकता हुई।

II. पिट्स इंडिया एक्ट ने ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कामकाज और उसके प्रशासन पर सर्वोच्च अधिकार दिये।

कूट:

(a) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य हैं और कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण है।

(b) दोनों कथन व्यष्टित: सत्य है किंतु कथन-II, कथन-I का सही स्पष्टीकरण नहीं है।

(c) कथन-I सत्य है, किंतु कथन-II असत्य है।

(d) कथन-I असत्य है, किंतु कथन-II सत्य है।

उत्तर: (a)

व्याख्या: वर्ष 1773 के रेग्युलेटिंग एक्ट की विसंगतियों को दूर करने हेतु पिट्स इंडिया एक्ट, 1784 को लाया गया। यह अधिनियम दो कारणों से महत्त्वपूर्ण था। पहला, भारत में कंपनी के अधीन क्षेत्र को पहली बार 'ब्रिटिश आधिपत्य का क्षेत्र' कहा गया तथा दूसरा-ब्रिटिश सरकार को भारत में कंपनी के कार्यों और इसके प्रशासन पर पूर्ण नियंत्रण प्रदान किया गया। अत: कथन I व II सही है तथा कथन II, कथन I का सही स्पष्टीकरण है।

2. 1909 के मॉर्ले-मिंटो सुधारों के बारे में निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इनका नामकरण ब्रिटिश सांसदों, मिंटो और मॉर्ले, के नाम पर किया गया था।
2. इनमें, विधान परिषदों में निर्वाचित भारतीयों की संख्या में वृद्धि कर सीमित स्वशासन का उपबंध किया गया था।
3. इनमें ऐसे उपबंध अंतर्विष्ट थे जिनसे यह सुनिश्चित हुआ कि ब्रिटिश अधिकारी इंपीरियल विधान परिषद में अपना बहुमत बनाए रखें।

उपर्युक्त कथनों में कौन-सा/से सही है/हैं?

(a) केवल 1 (b) केवल 2 और 3

(c) केवल 1 और 3 (d) 1, 2 और 3

उत्तर: (b)

व्याख्या: भारतीय परिषद अधिनियम, 1909 का नामकरण भारत सचिव मॉर्ले एवं वायसराय लॉर्ड मिंटो के नाम पर किया गया था। अत: कथन (1) गलत है।

- इसमें केंद्रीय एवं प्रांतीय विधान परिषदों में निर्वाचित सदस्यों की संख्या में वृद्धि कर दी गयी। गवर्नर जनरल की कार्यकारिणी में एक भारतीय सदस्य सत्येंद्र प्रसाद सिन्हा की नियुक्ति की गयी। अत: कथन (2) सही है।
- मुसलमानों के लिये पृथक सामुदायिक प्रतिनिधित्व प्रणाली लागू की गई।
- गवर्नर जनरल तथा गवर्नरों को व्यवस्थापिकाओं में प्रस्तावों को ठुकराने का अधिकार था। अत: कथन (3) सही है।

3. निम्नलिखित में से किस अधिनियम के अधीन भारतीय ईसाइयों तथा आंग्ल-भारतीयों के प्रतिनिधित्व के लिये पृथक निर्वाचक मंडल बनाए गए?

(a) इंडियन काउंसिल्स ऐक्ट, 1861

(b) भारतीय परिषद अधिनियम, 1909

(c) भारत शासन अधिनियम, 1919

(d) भारत शासन अधिनियम, 1935

उत्तर: (c)

व्याख्या: भारत शासन अधिनियम, 1919 अर्थात् मॉण्टेग्यू-चेम्सफोर्ड सुधार की निम्नलिखित विशेषताएँ हैं-

- केंद्र में द्विसदनीय व्यवस्थापिका की स्थापना।
- पृथक निर्वाचक मंडल का विस्तार। मुसलमानों के साथ-साथ इसे सिख, भारतीय ईसाई, यूरोपियन व एंग्लो इंडियन आदि के लिये भी बढ़ा दिया गया।
- प्रत्यक्ष निर्वाचन पद्धति की शुरुआत हुई।
- प्रांतों में द्वैध शासन प्रणाली की शुरुआत हुई।

अत: विकल्प (c) सही है।

4. 'चार्टर एक्ट, 1813' के संबंध में, निम्नलिखित कथनों पर विचार कीजिये-

1. इसने भारत में ईस्ट इंडिया कंपनी के व्यापार एकाधिपत्य को, चाय का व्यापार तथा चीन के साथ व्यापार को छोड़कर, समाप्त कर दिया।
2. इसने कंपनी द्वारा अधिकार में लिये गए भारतीय राज्यक्षेत्रों पर ब्रिटिश राज (क्राउन) की संप्रभुता को सुदृढ़ कर दिया।
3. भारत का राजस्व अब ब्रिटिश संसद के नियंत्रण में आ गया था।

32

कला एवं संस्कृति
(Art and Culture)

1. भारतीय वास्तुकला/स्थापत्य कला

1. निम्नलिखित पर विचार कीजिये–
   1. तुगलकाबाद किला
   2. लोधी बाग (गार्डन) में बड़ा गुंबद
   3. कुतुबमीनार
   4. फतेहपुर सीकरी

   उपर्युक्त स्मारकों के निर्माण का सही कालक्रम निम्न में से कौन-सा है?
   (a) 3–1–4–2
   (b) 3–1–2–4
   (c) 1–3–2–4
   (d) 1–3–4–2

उत्तर: (b)
व्याख्या: कुतुबुद्दीन ऐबक ने 1199 ई. में कुव्वत-उल-इस्लाम मस्जिद के परिसर में कुतुब मीनार का निर्माण शुरू करवाया, जिसे इल्तुतमिश ने चार मंजिला बनवाया। यह लाल बलुआ पत्थर निर्मित भारत की सबसे ऊँची (लगभग 238 फीट) मीनार है। इसका निर्माण सूफी संत 'ख्वाजा कुतुबुद्दीन बख्तियार काकी' की स्मृति में कराया गया था। इसे वर्ष 1993 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया।
- गयासुद्दीन तुगलक (1321-25 ई.) ने किलेबंदी वाले तुगलकाबाद नगर का निर्माण करवाया, जिसमें 52 द्वार थे। इस किले की नींव और दीवारें बहुत मोटी हैं और अनगढ़ पत्थरों से बनी हैं।
- लोधी बाग स्थित बड़ा गुंबद 1494 ई. में सिंकदर लोदी के शासनकाल में निर्मित स्थापत्य कला का उत्कृष्ट नमूना है।
- आगरा स्थित फतेहपुर सीकरी का निर्माण मुगल बादशाह अकबर ने 1571 ई. से 1573 ई. के मध्य कराया था। फतेहपुर सीकरी 1572 ई. से 1585 ई. तक मुगल साम्राज्य की राजधानी रही। इसे वर्ष 1986 में विश्व विरासत सूची में शामिल किया गया। अत: विकल्प (b) सही है।

2. एलिफेंटा द्वीप के बारे में, निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा सही है?
   (a) एक विशाल हाथीनुमा संरचना वहाँ पाए जाने के बाद ब्रिटिश द्वारा इसे यह नाम दिया गया।
   (b) इसमें एक विशाल गुफा है।
   (c) विष्णुधर्मोत्तर पुराण में वर्णित विष्णु की एक भव्य नक्काशी के लिये यह सुविख्यात है।
   (d) यह पाशुपत संप्रदाय (पंथ) से संबद्ध है।

उत्तर: (d)
व्याख्या: एलिफेंटा द्वीप महाराष्ट्र में मुंबई से 3 किमी. दूर अरब सागर में स्थित है। 16वीं शताब्दी में पुर्तगालियों ने यहाँ बने पत्थर के हाथी के कारण इसे एलिफेंटा नाम दिया। अत: कथन (a) सही है।
- इसमें एक विशाल गुफा मंदिर है जो भगवान शिव से संबंधित है। इसमें भगवान शिव की त्रिमूर्ति प्रतिमा सबसे आकर्षक है। अत: कथन (b) एवं (c) सही नहीं हैं।
- यह पाशुपत संप्रदाय से संबंधित है। अत: कथन (d) सही है।

3. गुप्तकालीन मंदिर स्थापत्य से संबंधित निम्नलिखित कथनों में कौन-सा एक सही नहीं है?
   (a) गुप्तकालीन मंदिरों का प्रारंभ गर्भगृह के साथ हुआ जिसमें देवमूर्ति की स्थापना की जाती थी।
   (b) इस काल के मंदिरों की छतें अधिकांशत: सपाट होती थी किंतु शिखर युक्त मंदिरों का निर्माण भी प्रारंभ हो चुका था।
   (c) कानपुर स्थित भीतरगाँव का मंदिर केवल ईंटों से ही निर्मित है।
   (d) मंदिरों के द्वार एवं स्तंभ, मंदिर के भीतरी भाग की तरह ही अलंकृत एवं सुसज्जित होते थे।

उत्तर: (d)
व्याख्या: विकल्प (d) सही नहीं है। चबूतरे पर निर्मित इन मंदिरों में द्वारपाल के स्थान पर मकरवाहिनी गंगा एवं कूर्मवाहिनी यमुना की प्रतिमाएँ बनी थीं। मंदिर का भीतरी भाग सादा होता था, जबकि द्वार एवं स्तंभ अलंकृत होते थे। मंदिर में गर्भगृह तक पहुँचने के लिये एक दालान होता था जिसमें एक सभा भवन से होकर प्रवेश किया जाता था।

4. 15वीं शताब्दी में रोम के स्थापत्य की नई शैली के बारे में निम्नलिखित कथनों में से कौन-सा/से सही है/हैं?
   1. अतीत से पूरी तरह विच्छेद इसकी विशेषता थी।
   2. यह वस्तुत: साम्राज्यिक रोमन शैली का पुनरुत्थान था।
   3. क्लासिकी शैली से परिचित वास्तुकारों को धनी व्यापारियों और अभिजनों द्वारा नियुक्त किया जाता था।

   नीचे दिये गए कूट का प्रयोग कर सही उत्तर चुनिये–
   (a) केवल 1
   (b) केवल 2 और 3
   (c) केवल 2
   (d) केवल 3

Think IAS

दृष्टि The Vision

Think Drishti

दृष्टि पब्लिकेशन्स की प्रमुख पुस्तकें

विस्तृत जानकारी के लिये कॉल करें 8448485516, 87501-87501, 011-47532596

प्रिलिम्स प्रैक्टिस सीरीज़ की पुस्तकें

(IAS व PCS प्रिलिम्स परीक्षा पर केंद्रित शृंखला)

1

2

3

4

5

6

641, Ist Floor, Dr. Mukherji Nagar, Delhi-9
Ph.: 011-47532596, 87501 87501
Website: www.drishtipublications.com, www.drishtiias.com
E-mail: booksteam@groupdrishti.com

ISBN 978-81-945304-3-5
9 788194 530435
मूल्य : ₹ 320